RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 170 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शुक्रवार 8 अप्रैल 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

राज्यपाल अनुसुईया उईके ने की पीएम मोदी से मुलाकात

रखी विशेष पैकेज की मांग

- राज्यपाल सुश्री उइके ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात, पांचवी अनुसूची, पेसा कानून तथा अन्य विषयों पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आज नई दिल्ली में राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने मुलाकात की। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री से छत्तीसगढ़ में जनजातियों के साथ ही प्रदेश के विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए राज्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने पांचवी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले नगरीय क्षेत्रों में मेसा कानून लागू करने का अनुरोध किया। साथ ही कहा कि मेसा कानून लागू होने से जनजातियों को उनके संवैधानिक अधिकार प्राप्त होंगे।

इसके अलावा उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पेसा कानून के संबंध में नियम बनाने के संबंध में चर्चा की। चर्चा के दौरान राज्यपाल ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को जनजातियों की समस्याओं से अवगत कराया। सुश्री उइके ने प्रधानमंत्री को जनजातियों के जाति नाम में मात्रात्मक त्रुटियों से अवगत कराते हुए कहा कि इससे पात्र व्यक्तियों को जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। राज्यपाल ने इस विषय पर जल्द निर्णय लेने का भी अनुरोध किया।

राज्यपाल सुश्री उइके कहा कि उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों के प्रवास के दौरान वहां के जनजातियों के साथ संवाद किया, उनकी समस्याओं को देखा और समझा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से चर्चा की और राज्य के आदिवासियों के विकास के संबंध में कई निर्णय लेने की आवश्यकता बताई। उन्होंने अनुरोध किया कि आदिवासी बाहुल्य जिलों में स्थित विश्वविद्यालयों को केंद्रीय जनजाति विश्वविद्यालय के रूप में उन्नत किया जाये जिससे यहां के जनजातीय समुदायों को लाभ मिल सके। चर्चा के दौरान सुश्री उइके ने बताया कि इन क्षेत्रों की जनजातियों की कला संस्कृति को भी संरक्षित करने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्होंने अनुरोध किया कि इन जनजातियों पर शोध कर उनका दस्तावेजीकरण किया जाये जिससे इनकी संस्कृति की पहचान पूरे देश में हो सके। बस्तर और सरगुजा संभाग में निवासरत् जनजातियों के समुचित विकास के लिए राज्यपाल सुश्री उइके ने प्रधानमंत्री मोदी से विशेष पैकेज देने का भी अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि विशेष पैकेज मिलने से इन क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का विस्तार होगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा और जनजातिय समुदाय का और बेहतर विकास हो सकेगा।

सुश्री उइके ने प्रधानमंत्री मोदी से देश के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शहरी सामाजिक कार्यकर्ताओं (ऊषा) और आशा कार्यकर्ताओं के संबंध में भी चर्चा करते हुए कहा कि ये कार्यकर्ता पूरी लगन से प्रदेश सहित देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अपने कार्यो का संपादन कर रहे हैं। कोरोना काल में भी इनके द्वारा लगातार कार्य किया जाता रहा है। सुश्री उइके ने इन कार्यकर्ताओं के कार्यो की सराहना करते हुए पीएम मोदी से इनके मानदेय में वृद्धि के साथ ही उनके स्थायीकरण की दिशा में भी विचार करने का अनुरोध किया।

राज्यपाल ने उत्तरप्रदेश के पूर्वांचल के चार जिलों चन्दौली, कुशीनगर, संत कबीरनगर, संत रविदास नगर को जनजाति जिलों में शामिल करने पर पीएम मोदी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर राज्यपाल सुश्री उइके ने प्रधानमंत्री को प्रतीक चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने गृहमंत्री अमित शाह से की मुलाकात, नक्सल समस्या पर हुई चर्चा

छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुईया उइके ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर राज्य की नक्सल समस्या समेत कई मसलों पर चर्चा की। राज्यपाल उइके ने गुरुवार को नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर राज्य के नक्सल प्रभावित जिलों, वहां की समस्याओं और नक्सली गतिविधियों के संबंध में चर्चा की।

इस दौरान राज्यपाल ने बताया कि उनके द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा किया गया। उन्होंने राज्य के आदिवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं और उनके समाधान के संबंध में अमित शाह को अवगत कराया है। उइके ने केन्द्रीय गृहमंत्री से बस्तर और सरगुजा संभाग के लिए विशेष पैकेज के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि विशेष पैकेज मिलने से इन क्षेत्रों के लोगों का विकास तेजी से हो सकेगा। अनुसुईया उइके ने इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा विस्तार, यहां के युवाओं में शिक्षा के प्रसार और उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विशेष पैकेज की आवश्यक बताया।

इस अवसर पर उइके ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। साथ ही राज्यपाल की गतिविधियों पर आधारित पुस्तक नई सोंच-नई पहल का द्वितीय भाग भी भेंट किया।

खास-खबर

मतदान तिथि 12 को सवेरे 7 बजे से शाम 7 बजे तक एक्जिट पोल प्रतिबंधित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खैरागढ़ विधानसभा उप निर्वाचन-2022 के लिए 12 अप्रैल को वोट डाला जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 126 (क) (ख तहत)मतदान तिथि 12 अप्रैल को सवेरे 7 बजे से शाम 7 बजे तक निर्गम मत सर्वेक्षण (एक्जिट पोल) पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से जिला निर्वाचन अधिकारी, राजनांदगांव को पत्र जारी किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि मतदान तिथि को आयोग द्वारा निर्धारित समयावधि में कोई भी व्यक्ति कोई एक्जिट पोल नहीं करेगा और न ही किसी एक्जिट पोल सर्वेक्षण के परिणाम का इस अवधि के दौरान प्रिंट, इलेक्ट्रानिक मीडिया, चलचित्र, टेलीविजन या वैसे ही अन्य साधनों के माध्यम से निर्वाचन संबंधी बात का प्रदर्शन करेगा। साथ ही इसके माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी प्रकार की अन्य रीति में प्रसार नहीं करेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है।

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत अब तक 185.20 करोड़ से अधिक लगे टीके

नई दिल्ली। भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 185.20 करोड़ (1,85,20,72,469) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 2,23,20,478 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है। 12-14 आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकाकरण 16 मार्च,2022 को प्रारंभ हुआ था। अब तक 2.04 करोड़ (2,04,40,247) से अधिक किशोरों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगाई गई है। लगातार गिरावट दर्ज करते हुए भारत में सक्रिय मामले आज कम होकर 11,639 रह गए। सक्रिय मामले कुल मामलों के 0.03 प्रतिशत हैं। नतीजतन, भारत में स्वस्थ होने की दर 98.76 प्रतिशत है।पिछले 24 घंटों में 1222 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 4,24,98,789 हो गई है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 1033 नए मामले सामने आएं। 24 घंटों में कुल 4,82,039 जांच की गई हैं।

लगातार 11वीं बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं रिजर्व बैंक ने जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नए वित्त वर्ष 2022-23 की पहली बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। यानी अभी भी रेपो रेट चार फीसदी ही रहेगा। इसके साथ ही रिवर्स रेपो रेट को 3.35 फीसदी रखा गया है। गौरतलब है कि ये लगातार 11वीं बार है, जबकि आरबीआई ने रेपो दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। गौरतलब है कि आरबीआई ने आखिरी बार 22 मई 2020 को नीतिगत ब्याज दरों में बदलाव किया था।

आरबीआई गवर्नर ने बताए नतीजे

तीन दिवसीय आरबीआई मॉनिटरी पॉलिसी बैठक के नतीजों की घोषणा आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों की सहमति से इस बार भी रेपो दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने ये भी कहा कि सप्लाई चेन को लेकर ग्लोबल मार्केट दबाव में है। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अपने जीडीपी ग्रोथ अनुमान को घटा दिया है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि ग्रोथ के अनुमान को घटाकर 7.2 फीसदी किया जा रहा है। पहले यह अनुमान 7.8 फीसदी जताया गया था।

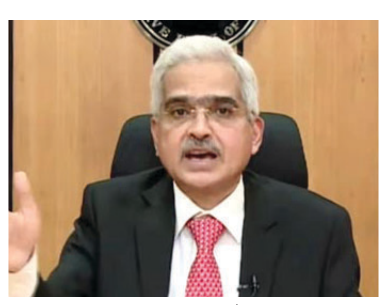

दास बोले- हमारे सामने दोहरी चुनौती

आरबीआई के अनुसार, वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ग्रोथ अनुमान 16.2 फीसदी, दूसरी तिमाही में 6.2 फीसदी और तीसरी तिमाही में 4.1 फीसदी, जबकि चौथी तिमाही में चार फीसदी रखा गया है। इसके साथ ही कच्चे तेल का अनुमान 100 डॉलर प्रति बैरल रखा गया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी भी बड़ी चिंता का विषय है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि इस वित्त वर्ष में महंगाई का औसत अनुमान 5.7 फीसदी जताते हुए कहा कि देश में महंगाई बढ़ रही है और ग्रोथ रेट कम हो रहा है। ऐसे में हमारे सामने दोहरी चुनौती है।

शिक्षा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सेतु का काम करेगी : गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, पीयूष गोयल ने आज कहा कि शिक्षा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक सेतु का काम करेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा और वाणिज्य, प्रौद्योगिकी के साथ जुड़कर हमें कार्य करने के लिए सशक्त बनाएंगे।

गोयल ने सिडनी में न्यू साउथ वेल्स (यूएनएसडब्ल्यू) के छात्रों के साथ एक बातचीत के दौरान अपने संबोधन में कहा, ''यह हमेशा हमारी साझेदारी का एक महत्वपूर्ण तत्व रहा है। कोविड के बाद की दुनिया में, हमें हाइब्रिड कार्यक्रमों की संभावनाओं का पता लगाना चाहिए।

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (इंडऑस ईसीटीए) को एक ''प्राकृतिक साझेदारी'' करार देते हुए, गोयल ने कहा कि भारत इस्पात उत्पादन क्षमता और ऊर्जा दक्षता को तीन गुना करने पर विचार कर रहा है। गोयल ने कहा, ''शोधकर्ता जो अच्छे काम करते हैं, उन्हें उसे काम में आने लायक बनाने के लिए उस तरह का पैमाना और उस तरह का मौका नहीं मिलता है।'' ''उस पैमाने के साथ हम चिकित्सा देखभाल को और अधिक किफायती बना सकते हैं, उस पैमाने के साथ हम दोनों देशों में हमारे पास मौजूद प्रतिभा का उपयोग करके बड़ी संख्या में लोगों की सेवा करने के लिए प्रौद्योगिकी बना सकते हैं, संभवत: ऑस्ट्रेलिया में किए गए अनुसंधान, भारत में मौजूद प्रतिभा इसे बड़े पैमाने पर निर्माण के लिए मदद कर रही है, इसका उपयोग बड़े पैमाने पर दुनिया में समाज का बड़ा वर्ग कर रहा है और वहां से इसे दुनिया के बाकी हिस्सों में ले जाया जा रहा है। मेरा मानना है कि इस तरह की साझेदारियां दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं।'' एनएसडब्ल्यू विश्वविद्यालय को भारत में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए आमंत्रित करते हुए गोयल ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी वास्तव में हमारे लोगों के जीवन को बदल सकती है।

बारनवापारा अभ्यारण्य को मिला नया स्वरूप, वन्यप्राणियों के रहवास तथा चारागाह के लिए अच्छी सुविधा विकसित

- कैम्पा मद से 5920 हेक्टेयर रकबा में हुआ सघन लेन्टाना तथा यूपोटोरियम उन्मूलन का कार्य
- राजधानी से 100 किमी की दूरी पर स्थित अभ्यारण्य में बहुतायत संख्या में हैं वन्यप्राणी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का सबसे उत्कृष्ट तथा आकर्षक अभ्यारण्य बारनवापारा का नया स्वरूप में कायाकल्प हुआ है। यह कायाकल्प वन्यप्राणी रहवास उन्नयन कार्य के अंतर्गत कैम्पा (छत्तीसगढ़ प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण) के वार्षिक कार्ययोजना 2021-22 में स्वीकृत राशि से किया गया है। इसके तहत 5 हजार 920 हेक्टेयर रकबा में सघन लेन्टाना उन्मूलन तथा यूपोटोरियम उन्मूलन का कार्य हुआ है। जिसमें से बारनवापारा अभ्यारण्य के 19 कक्षों में कुल 950 हेक्टेयर रकबा में लेन्टाना उन्मूलन का कार्य और 32 कक्षों में कुल 4 हजार 970 हेक्टेयर रकबा में यूपोटोरियम उन्मूलन का कार्य शामिल है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में अभ्यारण्य को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं।

बारनवापारा अभ्यारण्य का कुल क्षेत्रफल 244.86 वर्ग किमी है जिसमें मुख्यत: मिश्रित वन, साल वन व पूर्व के सागौन वृक्षारोपण है। बारनवापारा में मुख्य रूप से कर्रा, भिर्रा, सेन्हा, मिश्रित वनों में पाये जाते हैं। सागौन वृक्षारोपण क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से उगे सागौन है तथा साल वन क्षेत्र कम रकबे में है। उक्त छत्रक प्रजाति के अतिरिक्त शाकिय प्रजाति जैसे यूपोटोरियम, लेन्टाना, चरोठा आदि प्रमुख खरपतवार हैं, जिनके कारण बारनवापारा अभ्यारण्य क्षेत्र में पाये जाने वाले शाकाहारी वन्यप्राणियों को घास आदि नहीं मिलती, वन्यप्राणियों को आवागमन में भी दिक्कत होती है तथा मॉसभक्षी प्राणियों से भी बचाव कठिन हो जाता है।

प्रधान एवं मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) पी.व्ही. नरसिंगराव ने बताया कि इसे दृष्टिगत रखते हुए अभ्यारण्य में वन्यप्राणी रहवास उन्नयन कार्य के तहत सघन लेन्टाना एवं यूपोटोरियम के उन्मूलन का कार्य किया गया है, जिससे बारनवापारा अभ्यारण्य में अब वन्यप्राणियों को वर्षभर हरी खाद्य घास उनके भोजन व चारा के रूप में उपलब्ध हो सके। गौरतलब है कि बारनवापारा अभ्यारण्य में तेन्दुए, गौर, भालू, साम्भर, चीतल, नीलगाय, कोटरी, चौसिंघा, जंगली सुअर, जंगली कुत्ता, धारीदार लकड़बग्घा, लोमड़ी, भेड़िया एवं मूषक मृग जैसे वन्यप्राणी बहुतायत में मिलता है एवं आसानी से दिखते भी है।

वन्यप्राणी तंदुरूस्त दिखाई देने लगे

राजधानी रायपुर से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी पर बलौदाबाजार वनमंडल अंतर्गत स्थित बारनवापारा अभ्यारण्य में हुए वन्यप्राणी रहवास उन्नयन कार्य से वहां मृदा में नमी होने के कारण घास प्रजाति शीघ्रता से बढ़ने लगी हैं। साथ ही इससे अभ्यारण्य में वन्यप्राणियों को अब घास चरने के लिए अच्छी सुविधा उपलब्ध हो गई है। जिससे वे लेन्टाना तथा यूपोटोरियम के उन्मूलन कार्य के बाद स्वच्छंद विचरण भी करने लगे हैं। इससे पर्यटकों को वन्यप्राणियों की सहजता से दृष्टता हुई है और वन्यप्राणी भी स्वस्थ व तन्दुरूस्त दिखाई देने लगे हैं। अभ्यारण्य में वन्यप्राणी रहवास उन्मूलन कार्य के उपरांत घास पुनुरोत्पादन में स्पष्ट अंतर देखा जा सकता है।

श्रीलंका में खत्म होने की कगार पर पेट्रोल-डीजल! भारत की भेजी मदद भी पड़ रही कम

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में आर्थिक संकट के बीच हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि दूसरे देशों की मदद भी कम पड़ती दिख रही है। खबर है कि श्रीलंका में इस महीने के अंत तक डीजल की कमी हो सकती है। ईंधन खरीदने के लिए भारत की तरफसे भेजी गई 500 मिलियन डॉलर की क्रेडिट लाइन भी खत्म होने की कगार पर है।

भारत ने श्रीलंका को ईंधन की खरीदी के लिए फरवरी में 500 मिलियन डॉलर की क्रेडिट लाइन का विस्तार किया था। साल 1948 में ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद श्रीलंका सबसे बुरे आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। गैस, खाने और जरूरी चीजों की कमी के चलते नागरिक जमकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, हालात के मद्देनजर श्रीलंका में ईंधन के शिपमेंट 1 अप्रैल के बजाए मार्च के अंत में पहुंचने लगे थे। इसके अलावा 15, 18 और 23 अप्रैल को भी तीन और भारतीय शिपमेंट बाकी हैं और अगर तब तक श्रीलंका सरकार मदद में विस्तार की मांग नहीं करती है, तो ईंधन पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

श्रीलंका में डीजल का सबसे ज्यादा इस्तेमाल पब्लिक ट्रांसपोर्ट और बिजली उत्पादन में होता है। मुल्क में डीजल की कमी से पहले ही कुछ थर्मल पावर प्लांट बंद हो गए हैं, जिसके चलते हर रोज करीब 10 घंटों के लिए बिजली कटौती हो रही है।

गहराता जा रहा है संकट!

सरकार की असफलता से नाराज नागरिक अब सड़कों पर उतर आए हैं और इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं। वहीं, श्रीलंका मेडिकल एसोसिएशन (एसएल एमए) ने राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को जरूरी दवाओं की कमी के बारे में भी चेतावनी दे दी है। एसएलएमए का कहना है कि दवाओं और उपकरण की आपूर्ति में कमी हो रही है। स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि उन्होंने मुश्किल हालात के लिए नियमित सर्जरी करना बंद कर दिया है।

संपादकीय

निशाने पर ऊर्जा

साइबर सुरक्षा पुख्ता रखने की जरूरत एक बार फिर साबित हुई है। अंतरराष्ट्रीय सीमा से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक चीन का जिस तरह भारत विरोधी रवैया कायम है, उसे देखते हुए यह सूचना कतई नहीं चौंकाती कि चीन लगातार भारतीय पावर ग्रिड सिस्टम में घुसपैठ की साजिश में लगा है। वैसे ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले जनवरी और फरवरी में भी चीनी हैकर्स की ओर से घुसपैठ की कोशिश हुई थी। खैर, यह अच्छी बात है कि हमने 2018 से ही अपनी साइबर सुरक्षा को काफी मजबूत कर लिया है और चीन के मनसूबे पूरे नहीं हो पा रहे हैं। भारत में चीन के रवैये को लेकर रोष है, चीन की अलोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, लेकिन उसे इसकी कतई परवाह नहीं है। उसे तो हर हाल में भारत पर अपनी कूटनीतिक, आर्थिक, सामरिक और तकनीकी बढ़त के प्रचार का चस्का लगा हुआ है। वह खुद को नकारात्मक हरकतों से भी श्रेष्ठ सिद्ध करना चाहता है, ताकि ज्यादा से ज्यादा देशों को भारत से दूर और अपनी ओर खींच सके। ऐसे में, यदि भारत की साइबर सुरक्षा अभेद्य या चाक-चौबंद साबित हुई है, तो वास्तव में यही साइबर सुरक्षा श्रेष्ठता चीनी हैकर्स को मिला माकूल जवाब भी है।

> अमेरिका स्थित जो साइबर सिक्योरिटी ग्रुप चीनी हैकर्स पर नजर रख रहा है, उसकी थोड़ी मदद लेने में कोई हर्ज नहीं है। शोधकर्ताओं के इस समूह ने एक नक्शा भी जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि चीनी हैकरों के निशाने पर कौन-कौन से इलाके हैं। साइबर सुरक्षा से जुड़ी ऐसी सूचनाएं जुटाते रहना और उन्हें मुहैया कराने वाले तमाम विशेषज्ञों को साथ लेकर चलना समय की मांग है।

किसी भी विकासशील देश की पावर ग्रिड के साथ खिलवाड़ या उसे ठप्प करने की साजिश या उसमें सेंध लगाकर किसी भी प्रकार के हमले या मौके का इंतजार करने की रणनीति असभ्यता के साथ-साथ शत्रुता नहीं, तो और क्या है? गुरुवार को चीनी हैकर यदि लद्दाख के आसपास के इलाकों में पावर ग्रिड के इलेक्ट्रिसिटी सिस्टम को हैक करने की कोशिश कर रहे थे, तो क्या चीन सरकार को इसका पता नहीं था? विडंबना देखिए, चीनी सरकार की जुबान बोलने वाले ग्लोबल टाइम्स ने ऐसी किसी साजिश के सुबूत भी मांग लिए हैं और कहा है कि ऐसी किसी साजिश का लापरवाही बरतते हुए किसी भी प्रकार से सरकार से संबंध नहीं जोड़ना चाहिए। वैसे यह अच्छी बात है कि चीन सरकार तक बात पहुंच गई है और उसे भारत की किसी भी प्रकार की सुरक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। ध्यान रहे, पाकिस्तान भी आतंकियों की हर साजिश या हमले के बाद भारत से सुबूत मांगता था, लेकिन उसने सुधार की कोशिशें न के बराबर की हैं, तो उसका खुद का जाल उसे भारी पड़ रहा है। ऐसा कोई और देश न करे, तो बेहतर है। अब चीन को जिम्मेदार देश की तरह व्यवहार करते हुए भारत के प्रति ओछी मानसिकता या शत्रुता से बचना चाहिए।

बहरहाल, भारत को पूरी गहराई से सोचना चाहिए और सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने चाहिए। अगर चीन पावर ग्रिड में घुसपैठ नहीं कर पा रहा है, तो खुशी से अभिभूत होने की जरूरत नहीं है। साइबर दुनिया में रोज नई चाबियां बनती हैं, तो ताले भी बदलते रहने चाहिए। अपने ताले को दुरुस्त रखने के लिए भारत को हरसंभव प्रयास करने चाहिए और साथ ही, दुनिया के विशेषज्ञ वैधानिक हैकर्स को भी साथ रखना चाहिए, ताकि वे दूर से देखते हुए भी हमारी कमियां बता सकें। अमेरिका स्थित जो साइबर सिक्योरिटी ग्रुप चीनी हैकर्स पर नजर रख रहा है, उसकी थोड़ी मदद लेने में कोई हर्ज नहीं है। शोधकर्ताओं के इस समूह ने एक नक्शा भी जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि चीनी हैकरों के निशाने पर कौन-कौन से इलाके हैं। साइबर सुरक्षा से जुड़ी ऐसी सूचनाएं जुटाते रहना और उन्हें मुहैया कराने वाले तमाम विशेषज्ञों को साथ लेकर चलना समय की मांग है।

श्रीलंका में अराजकता

भारत के दो पड़ौसी देशों, पाकिस्तान और श्रीलंका में अस्थिरता के बादल छा गए हैं। पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय का फैसला जो भी हो और श्रीलंका की राजपक्ष भाइयों की सरकार रहे या चली जाए, हमारे इन दो पड़ौसी देशों की राजनीति गहरी अस्थिरता के दौर में प्रवेश कर गई है। जहां तक श्रीलंका का प्रश्न है, वहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य तीन मंत्री एक ही राजपक्ष परिवार के सदस्य हैं। ऐसी पारिवारिक सरकार शायद दुनिया में अभी तक कभी नहीं बनी है। जब सर्वोच्च पदों पर इतने भाई और भतीजे बैठे हों तो वह सरकार किसी तानाशाह से कम नहीं हो सकती। राजपक्ष-परिवार श्रीलंका का राज-परिवार बन गया। श्रीलंका में आर्थिक संकट इतना भीषण हो गया है कि कल पूरे मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दे दिया। सबसे बड़ी बात यह कि जिन चार मंत्रियों को फिर नियुक्त किया गया, उनमें वित्तमंत्री बसील राजपक्ष नहीं हैं। वित्तमंत्री के खिलाफ सारे देश में जबर्दस्त रोष फैला हुआ है, क्योंकि मंहगाई आसमान छूने लगी है। चावल 500 रु. किलो, चीनी 300 रु. किलो और दूध पाउडर 1600 रु. किलो बिक रहा है। बाजार सुनसान हो गए हैं। ग्राहकों के पास पैसे नहीं हैं। रोजमर्रा पेट भरने के लिए हर परिवार को ढाई-तीन हजार रु. चाहिए। लोग भूखे मर रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अगले दो-तीन दिन में सरे-आम लूट-पाट की खबरें भी श्रीलंका से आने लगें। पेट्रोल, डीजल और गैस का अकाल पड़ गया है, क्योंकि उन्हें खरीदने के लिए सरकार के पास डॉलर नहीं हैं। लोग अपनी जान बचाने के लिए भाग-भागकर भारतीय आ रहे हैं ।श्रीलंका के रिजर्व बैंक के गवर्नर अजीत निवार्ड कबराल ने भी इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के तीन बड़े आधार हैं। पर्यटन, विदेशों से आनेवाला श्रीलंकाइयों का पैसा और वस्त्र-निर्यात। महामारी के दौरान ये तीनों अधोगति को प्राप्त हो गए। 12 बिलियन डॉलर का विदेशी कर्ज चढ़ गया। उसकी किस्तें चुकाने के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है।

वेद प्रताप वैदिक

> **वैचारिक व नियामक स्तर पर बहुलतावादी व्यवस्था की वकालत करने में हमारी ताकत निहित है। एक ऐसा तंत्र जरूरी है, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र की विविधता को स्वीकार करता हो। साफहै कि ऐसी कोई कोशिश शीत युद्ध या दुनिया को गुटों में बांटने वाले 'ग्रेट गेम' में नहीं दिखती है। असल में, यह कोशिश एक ऐसे एशिया को बढ़ावा नहीं देती है, जो कल या आज के यूरोप की तरह दिखेगा।**

जोरावर दौलत सिंह, इतिहासकार

अब हम बढ़ेंगे बहुध्रुवीय दुनिया की ओर

एशिया का भविष्य क्या यूरोप के अतीत जैसा होगा? यह दशकों से पूछा जाने वाला वह सवाल था, जिसके आधार पर एशियाई राजनेताओं को एक सदी पहले की यूरोपीय तबाही से सबक सीखने के लिए कहा जाता था। हम आज फिर उस विचार को इस प्रश्न से संजीवनी दे सकते हैं कि क्या एशिया का भविष्य यूरोप के वर्तमान जैसा होगा? हालिया घटनाओं ने बदलती विश्व-व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के सवालों को विदेश नीति से जुड़ी बहसों में सबसे आगे ला खड़ा किया है।

यूरोपीय संकट के मूल में है वर्चस्व हासिल करने की सोच। हमें यहां पूरा इतिहास बताने की जरूरत नहीं है। यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि शीत युद्ध के अंत ने जंग के बाद की बंदोबस्ती व प्रमुख संस्थानों में दूसरे पक्ष की सहभागिता को बहुत सुगम नहीं बनाया। वास्तव में, शीतयुद्ध के बाद विश्व व्यवस्था का जो ढांचा तैयार किया गया था, वह एकतरफा था और उसमें कथित 'पराजित ताकत' (रूस) के मूल हितों को किनारे कर दिया गया था। एक को फायदा और दूसरे को नुकसान वाली यह स्थिति तीन दशकों से विकसित हो रही थी। फरवरी, 2022 में विस्फोटक स्थिति में पहुंचने से पहले इस बाबत चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया गया था।

आज हिंद-प्रशांत, यानी इंडो-पैसिफिक के लिए क्या सबक हैं? सबसे पहला सबक तो सुरक्षा ढांचे की बनावट है, और इसमें यह अंतर्निहित विचार कि दुनिया पर राष्ट्रों के किसी एक समूह का एकाधिकार नहीं हो सकता। एक स्थिर व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी उभरती शक्तियों और स्थापित ताकतों की सम्मिलित कोशिशों में निहित है। यह प्रयास परस्पर हितों के संतुलन पर आधारित होना चाहिए। इसमें यह भी महत्वपूर्ण है कि तमाम अलग-अलग हितों को कितनी कुशलता से एक साथ पिरोया जाए। यही वजह है कि हमारे पास विदेश में दूतावास होते हैं और इतिहासकारों व रणनीतिकारों की फौज होती है, जिनसे यह समझने में मदद मिलती है कि कब रणनीतिक सख्ती बुद्धिमानी कही जाएगी या कब किसी विचार या सुरक्षा-प्रतिबद्धता की रक्षा के लिए दृढ़ रहना होगा, या कब परस्पर मिलकर आगे बढ़ना सबसे बेहतर विकल्प होगा।

यूरोप के विपरीत, एशिया का सुरक्षा ढांचा विविधताओं से भरा हुआ है, यहां तक कि इसमें विरोधाभासी सोच, अलग-अलग अवधारणाएं और परस्पर विरोधी समूह भी शामिल हैं। इसलिए हमारे पास एक नेतृत्व व कई सदस्यों को मिलाकर पारंपरिक सैन्य गठबंधन हैं, जिन्होंने घनिष्ठ सुरक्षा समूहों या समुदायों में सुरक्षा गारंटी व सदस्यता के एवज में रणनीतिक स्वायत्तता का नुकसान भी मंजूर किया है। हमारे पास ऐसी लचीली सुरक्षा समझ या भागीदारी भी है, जिसमें हम राष्ट्रों को उनकी पहले की प्रतिबद्धताओं से अलग करने के लिए मजबूर नहीं कर पाते हैं। हम उनके सैन्य प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों को सूचनाओं के आदान-प्रदान वाले किसी खास समूह के अनुकूल नहीं गूंथ पाते हैं। हमारे पास दरअसल तटस्थ राष्ट्र या समूह हैं, जिन्होंने प्रमुख प्रतिस्पर्द्धी ताकतों के साथ अच्छे संबंध विकसित करने और अपनी विदेश नीतियों को आगे बढ़ाने को तवज्जो दी है। और अंत में, हमारे पास भारत जैसा बड़ा मुल्क है, जो स्वतंत्र विदेश व सुरक्षा नीतियों पर चलते हुए ही आगे बढ़ता रहा है। भारत अपनी अलग नीतियों के कारण कई गुटों व संस्थानों में द्विपक्षीय व बहुपक्षीय भागीदारियों को सुनिश्चित कर पाता है।

दशकों से यही माना जाता था कि यूरोपीय शैली की सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में एशिया पिछड़ जाएगा। मगर अब ऐसा लगने लगा है कि एशिया की विविधता या जटिलता वास्तव में ऐसी व्यवस्था का निर्माण करती है, जिसमें बड़ी ताकतों के बीच भी एशिया के देश वैध, स्थिर व सक्रिय संतुलन बना पाते हैं। एक बार जब हम यह समझ लेते हैं कि अमेरिका-चीन, चीन-यूरोपीय संघ जैसी कथित प्रतिद्वंद्वी ताकतों की आपसी आर्थिक निर्भरता खत्म नहीं होगी, तब हमें आगे की राह मालूम पड़ती है। तय है, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दशकों से बने नैसर्गिक रिश्ते बने रहेंगे और अर्थव्यवस्था व लोगों की नियति को प्रभावित करते रहेंगे। परस्पर मिलकर चलने व सबसे संबंध रखने की यह विश्व व्यवस्था जब हमारी समझ में आ जाती है, तब किसी संभावित व्यवस्था-निर्माण के समर्थन में तर्क और दमदार हो जाते हैं।

अब बात भारत के नजरिये की। कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि यूरोप की मौजूदा घटनाओं ने भारत की विदेश नीति को बहुत प्रभावित किया है। हालांकि, वे लोग ही इस निष्कर्ष से सहमत हैं, जो एशिया में भारत की भूमिका को पश्चिम के एक संतरी देश के रूप देखते हैं। इसके विपरीत, मौजूदा संकट ने भारत की विदेश नीति के बुनियादी सिद्धांतों को बिल्कुल सही साबित किया है। इनमें से एक सिद्धांत है, बड़ी ताकतों के साथ साझेदारी करने की क्षमता और खुद पर दृढ़ विश्वास। भारत अगर प्रतिस्पर्द्धा में ज्यादा उलझे रहता, तो उसकी क्षमता और विश्वास, दोनों खत्म हो सकते थे। आज एक बहुध्रुवीय दुनिया इसी तरह के नजरिये या दृष्टिकोण को स्वाभाविक और विवेकपूर्ण मानती है।

आज भारत के बुनियादी हित एशिया में चल रही वर्चस्व की जंग में एक स्थायी संतुलन बनाने में हैं। चीन की सीमा से लगे तमाम देशों के साथ रिश्ते मजबूत करने और उनसे बेहतर संवाद बनाने में हमारा हित है। महाद्वीपीय यूरेशिया, दक्षिण पूर्व एशिया के तटीय देशों और आर्कटिक सहित रूस के पूर्वी क्षेत्र के देशों से भी जुड़ाव विकसित करने में हमारी भलाई है। इसके साथ ही, देश के भीतर आधुनिकीकरण व औद्योगिकीकरण को बढ़ाने; मिश्रित आर्थिक व डिजिटल क्षेत्रों में निवेश से हम और मजबूत होंगे। हमारे किसी भी महत्वपूर्ण क्षेत्र पर किसी एक राष्ट्रीय प्राधिकरण या निजी संस्थान का एकाधिकार नहीं होना चाहिए। वैचारिक व नियामक स्तर पर बहुलतावादी व्यवस्था की वकालत करने में हमारी ताकत निहित है। एक ऐसा तंत्र जरूरी है, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र की विविधता को स्वीकार करता हो।

साफहै कि ऐसी कोई कोशिश शीत युद्ध या दुनिया को गुटों में बांटने वाले 'ग्रेट गेम' में नहीं दिखती है। असल में, यह कोशिश एक ऐसे एशिया को बढ़ावा नहीं देती है, जो कल या आज के यूरोप की तरह दिखेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत डोगरा, सामाजिक कार्यकर्ता

तपते टापुओं में बदलने लगे हैं हमारे ज्यादातर शहर

जलवायु परिवर्तन के दौर में गरमी का बढ़ता प्रकोप अनेक चिंताएं उत्पन्न कर रहा है। 11 मार्च से ही गरम हवाओं का समय शुरू हो गया था और अब दिल्ली, लखनऊ, पटना में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पास या ऊपर जाने लगा है। गरमी अभी से ही असहनीय होने लगी है, तो मई से जून मध्य तक पता नहीं, तापमान कितने कीर्तिमान गढ़ेगा?

बेशक शहरों में गरमी से बचने की सुविधाएं कुछ बढ़ी हैं, पर अभी भी बहुत से लोग इनसे वंचित हैं। विवेक शनदास व उनके सहयोगी अनुसंधानकर्ताओं ने विभिन्न देशों में किए गए शोध के आधार पर बताया है कि अनेक शहरों में सबसे निर्धन, प्रवासियों व भेदभाव सहने वाले समुदायों की जो बस्तियां हैं, प्राय: वही सबसे अधिक गरमी प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचानी गई हैं। इस अनुसंधान से यह भी पता चलता है कि एक शहर के सभी क्षेत्र गरमी के प्रकोप से समान रूप से प्रभावित नहीं होते हैं। जहां अधिक हरियाली है, पेड़ हैं, वहां गरमी का वार अपेक्षाकृत कम है, जहां पूरा क्षेत्र सीमेंट-कंक्रीट के निर्माणों व सड़कों से भरा पड़ा है, वहां गरमी अधिक होती है।

प्राय: किसी भी शहर के लिए एक ही तापमान बताया जाता है, पर वास्तव में एक ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों के तापमान में बहुत अंतर होता है। 10 डिग्री सेल्सियस या उससे भी अधिक का अंतर एक ही महानगर या बड़े शहर के भीतर देखा जा सकता है।

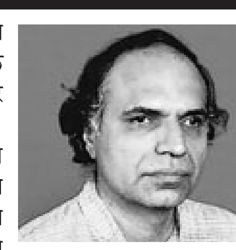

कच्ची बस्तियों में गरमी भी ज्यादा है और गरमी की मार से बचने के उपाय भी कम हैं। इन बस्तियों में पानी की भी कम आपूर्ति होती है और बिजली कटौती भी खूब होती है। इन बस्तियों के वृद्ध व पहले से कमजोर स्वास्थ्य के लोगों पर चरम गरमी के दिनों में विशेष ध्यान देने की जरूरत है, लेकिन क्या हम दे पा रहे हैं? इस विषय पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के बेंजामिन जैटचिक ने बताया है कि गरमी के प्रकोप से उन लोगों की स्थिति बिगड़ सकती है, जो सांस व हृदय संबंधी समस्याओं से त्रस्त हैं।

हमारे शहरों में बेघर लोगों को प्राय: सबसे निर्धन माना गया है। बेघर बच्चों की संख्या भी बहुत अधिक है। उनके लिए जो नियोजन पहले किया गया व जो आश्रय स्थल बनाए गए, उनमें मुख्य फोकस इस ओर रहा है कि सबसे अधिक सर्दी के दिनों में उन्हें राहत देनी है, पर जलवायु परिवर्तन के इस दौर में गरम दोपहरियों व लू से भी राहत देना बहुत जरूरी हो गया है। इसे ध्यान में रखते हुए बेघर लोगों के लिए नियोजन व कार्यों में भी जरूरी बदलाव करने होंगे। शहरों में हमें सुधार के लिए पुख्ता अध्ययन करते हुए उपाय करने होंगे। पर्यावरणविदों के अनुसार, शहरों में अधिक तापमान के कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार हैं। आधुनिक शहरों का आकार-प्रकार वायु के बहाव के हिसाब से ठीक नहीं है। गांव में हवा रुकती नहीं है, लेकिन शहरों में ऊंची इमारतों की वजह से हवा रुकती है और बेचैनी बढ़ती है। शहर रेगिस्तान की तरह होने लगे हैं। कई जगहों पर किसी वनस्पति का नामो-निशान नहीं होता है, ऐसे इलाकों पर बारिश भी बेअसर होती है। वाष्पीकरण कम होता है और गरमी बढ़ जाती है।

शहरों में गरम घाटियां बनने लगी हैं। ऊंची इमारतों के बीच गरमी के टापू विकसित हो रहे हैं। शहरों में बढ़ता तापमान नमी और आर्द्रता को भी कम कर देता है, जिससे गरमी असह्य होने लगती है। शहरी धुंध भी एक बड़ी समस्या बनकर उभर रही है। कई शहरों में फैली वायु प्रदूषण की धुंध एक लघु ग्रीनहाउस परत के रूप में कार्य करने लगती है, जो शहरी क्षेत्रों की गरमी को बाहर निकल जाने से रोकती है। शहरों में मानव जनित ऊष्मा भी बहुत बढ़ रही है। जीवाश्म ईंधन के अधिकतम उपयोग से भी शहरी तापमान बढ़ रहा है। सच यह है कि हम शहर को रहने लायक बनाने की दिशा में बड़े उपाय नहीं कर पा रहे हैं। शायद आम लोगों और सरकारों केलिए यह चिंता का विषय नहीं है। क्या अपने देश में किसी भी पर्यावरण सुधार के लिए अदालतों का सहारा लेना मजबूरी है?

बेशक, बसावट सुधारने से हरियाली बढ़ाने तक बहुत काम हैं, जो हमें करने चाहिए। स्थानीय प्रजाति के वृक्षों की संख्या बढ़ाने व परंपरागत जलस्रोतों की रक्षा पर अधिक ध्यान देना जरूरी है। प्राय: देखा गया है कि शहरी वृक्षारोपण में सजावटी किस्म के पौधों को चुन लिया जाता है, जबकि जरूरत अधिक छाया देने वाले स्थानीय पेड़ों की है, जिनमें प्राय: अधिक पक्षी व अन्य छोटे जीव भी आश्रय प्राप्त कर सकते हैं। बरगद, नीम, पीपल, आम, जामुन जैसे पेड़ इस दृष्टि से बहुत उपयोगी रहे हैं, लेकिन देखिए कि हमारे आसपास ऐसे कितने पेड़ हैं? हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि शहर केवल हमारे लिए नहीं हैं, उन सभी जीव-जंतुओं के लिए भी हैं, जो शहर में मिटने लगे हैं या शहर छोड़ जाने लगे हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

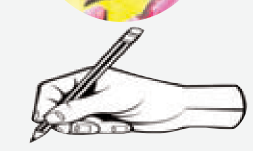

दुनिया में प्रेम है इसके
अलावा और कुछ
नहीं, बांटों तो सही
दोस्तों, इत्र की तरह
फूलों की तरह
महकेंगे तुम और हम।

-अंजली जैन
7024460938

दृष्टिहीनता की गहरी समस्या

भारतीय विदेश के पीछे आज दृष्टि क्या है? संसद में यूक्रेन संकट पर चर्चा हुई। उसमें विभिन्न दलों ने जो राय जताई, तो इस सवाल का जवाब ढूंढना और जटिल हो जाता है। उस चर्चा का संकेत यह है कि नरेंद्र मोदी सरकार की नीति चाहे जिस दृष्टि से प्रेरित हो, विपक्षी दलों के पास उससे अलग कोई सोच नहीं है।

यूक्रेन के बुचा में जन संहार के आरोप पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत ने अपना तटस्थ रुख बनाए रखा। भारतीय प्रतिनिधि ने बिना किसी देश का नाम लिए इस घटना की निंदा की। साथ ही उन्होंने इस कांड की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की। यह रुख यूक्रेन संकट पर आरंभ से लिए अपनाए गए नजरिए के अनुरूप ही है। बुचा का मामला विवादित है। इस बारे में यूक्रेन और रूस ने परस्पर विरोधी दावे किए हैँ। इसलिए इसे एक समझदारी भरा रुख कहा जा सकता है कि पहले सही तथ्य सामने लाने की बात की जाए। इसलिए इस घटना विशेष पर भारत का रुख कोई अहम मुद्दा नहीं है। असल मुद्दा यह है कि भारतीय विदेश के पीछे आज दृष्टि क्या है? मंगलवार को संसद में यूक्रेन संकट पर चर्चा हुई। उसमें विभिन्न दलों ने जो राय जताई, तो इस सवाल का जवाब ढूंढना और जटिल हो जाता है। उस चर्चा का संकेत यह है कि नरेंद्र मोदी सरकार की नीति चाहे जिस दृष्टि से प्रेरित हो, विपक्षी दलों के पास उससे अलग कोई सोच नहीं है। मोदी सरकार की नीति की पहचान इस रूप में की जा सकती है कि यह ट्रांजैक्शनल यानी लेन-देन पर आधारित है।

यानी जहां से भारत को फायदा होता दिखे, भारत को उसके अनुरूप चलना चाहिए, भले यह लाभ कितना ही तात्कालिक हो। मगर किसी प्रमुख विपक्षी दल के पास इससे अलग कोई नजरिया है, आज यह कहना बेहद कठिन हो गया है। कांग्रेस की धारा से जुड़े रहे दल ऐसे मौकों पर जवाहर लाल नेहरू की गुटनिरपेक्षता की नीति को चर्चा में ले आते हैँ। उनका जोर उस नीति की प्रासंगिकता साबित करने पर होता है। लेकिन वे यह बताने में पूरी तरह विफल रहते हैं कि आज की परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय समीकरणों के बीच उस नीति का व्यावहारिक रूप क्या होगा? अंतिम सूरत यह उभरती है कि कांग्रेस हो- या अन्य विपक्षी दल- वे सभी विदेश नीति के मामले में रस्म अदायगी करते दिखते हैँ। उनका ज्यादा ध्यान सरकार की किसी नीतिगत नाकामी से देश को हुए किसी कथित नुकसान की तरफ इशारा करते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा करने पर केंद्रित रहता है। लेकिन भारत की आज क्या विदेश नीति होनी चाहिए, संभवत: इस सवाल का जवाब उसके पास भी नहीं है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

खास खबर

तृतीय राज्य वित्त आयोग की अनुशंसा पर शीघ्र कार्यवाही कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें : मिंज

रायपुर। राज्य वित्त आयोग द्वारा वित्त आयोग से संबंधित विभागों के साथ 5 अप्रैल को प्रथम बैठक ली गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष सरजियस मिंज ने की। बैठक में मिंज ने संबंधित सभी विभागों को तृतीय राज्य वित्त आयोग की मान्य अनुशंसाओ पर शीघ्र कार्यवाही करते हुए उनका पालन, प्रतिवेदन आयोग को शीघ्र भेजने के निर्देश दिए। बैठक में आयोग द्वारा यह जानकारी दी गई कि पंचायत एवं नगरीय निकायों से जानकारी एकत्र करने के लिए सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। इस सॉफ्टवेयर में जानकारी अपलोड करने में सहयोग करने के लिए पंचायत एवं नगरीय प्रशासन विभाग को कहा गया। वित्त सचिव अलरमेल मंगई डी ने बताया तृतीय राज्य वित्त आयोग की अनुशंसाओं की क्रियान्वयन पर कार्यवाही प्रगति पर है।

विधानसभा उपचुनाव खैरागढ़ : मतदान दिवस 12 को श्रमिकों को मिलेगा सवैतनिक अवकाश

रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा निर्वाचन 2022 के तहत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-73 खैरागढ़ हेतु मतदान के लिए मंगलवार 12 अप्रैल की तिथि निर्धारित की गई है। छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना अधिनियम-1958 के अंतर्गत आने वाले कारखानों/संस्थानों में कार्यरत श्रमिक/कर्मचारियों को विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-73 खैरागढ़ हेतु मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश की सुविधा प्रदान की जाएगी। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग से जारी आदेश के अनुसार विधानसभा क्षेत्र खैरागढ़ में मतदान के लिए कर्मचारियों को सार्वजनिक अवकाश की मंजूरी दी गई है।

अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू और सचिव एवं प्रबंध संचालक गोधन न्याय मिशन डॉ. एस.भारतीदासन ने जिले के गौठानों का लिया जायजा

गौठानों में संचालित आजीविकामूलक गतिविधियों का किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ शासन की फ्लैगशिप योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जमीनी हकीकत का जायजा लेने अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू और सचिव एवं प्रबंध संचालक गोधन न्याय मिशन डॉ.एस.भारतीदासन ने जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम घीना, खपराभाट, डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम सल्हाईटोला, बालोद विकासखण्ड के ग्राम बरही, ग्राम दर्रीटोला और ग्राम सांकरा(क) के गौठानों में पहुँचकर वहॉ की व्यवस्था और स्वसहायता समूहों द्वारा संचालित आयमूलक गतिविधियों का जायजा लिया।

उन्होंने स्वसहायता समूहों की सदस्यों से चर्चा कर उनके स्वावलंबन के कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम परसदा(डं.), डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम नर्राटोला और बालोद विकासखण्ड के ग्राम बघमरा में जल जीवन मिशन के कार्यों का अवलोकन कर हितग्राहियों से चर्चा किया। कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे और जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ.रेणुका श्रीवास्तव इस अवसर पर मौजूद थे।

अपर मुख्य सचिव श्री साहू और सचिव एवं प्रबंध संचालक गोधन न्याय मिशन डॉ. भारतीदासन ने ग्राम घीना के गौठान में स्वसहायता समूहों की सदस्यों से चर्चा कर वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन, विक्रय तथा आमदनी की जानकारी ली। उन्होंने वहॉ दोना पत्तल निर्माण तथा मुर्गीपालन का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्देशित किया कि गौठान में गोधन न्याय योजना के तहत नियमित गोबर खरीदी तथा वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण जारी रखें। उन्होंने डौण्डीलोहारा के जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया कि वे स्वसहायता समूहों की सदस्यों को आयमूलक गतिविधियों के सफल संचालन के लिए विधिवत प्रशिक्षण दिलाएँ और गौठानों का नियमित भ्रमण करें।

ग्राम खपराभाट के गौठान में अपर मुख्य सचिव श्री साहू और सचिव एवं प्रबंध संचालक गोधन न्याय मिशन डॉ. भारतीदासन ने वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, मशरूम उत्पादन, मुर्गीपालन, मछलीपालन, दोना पत्तल निर्माण तथा सामुदायिक बाड़ी में सब्जी उत्पादन, चारा उत्पादन कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने वहॉ बिजली तथा पानी की व्यवस्था की जानकारी ली। समूह की सदस्यों ने वर्मी कम्पोस्ट तथा सब्जी उत्पादन से हुए आमदनी की जानकारी दी। ग्राम सल्हाईटोला के गौठान में भी उन्होंने स्वसहायता समूहों द्वारा संचालित विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियों का अवलोकन कर समूह की सदस्यों को नियमित रूप से आयमूलक गतिविधियॉ संचालित कर आय अर्जित करने प्रोत्साहित किया।

बालोद विकासखण्ड के ग्राम बरही, दर्रीटोला और सांकरा(क) के गौठान में अपर मुख्य सचिव श्री साहू और सचिव एवं प्रबंध संचालक गोधन न्याय मिशन डॉ. भारतीदासन ने भ्रमण के दौरान स्वसहायता समूहों की सदस्यों से चर्चा कर आयमूलक गतिविधियों से आमदनी की जानकारी ली। उन्होंने वहॉ संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने समूहों की सदस्यों को लगनपूर्वक कार्य कर आय में वृद्धि करने प्रोत्साहित किया।

जल जीवन मिशन के कार्यों का किया निरीक्षण

अपर मुख्य सचिव श्री साहू और सचिव एवं प्रबंध संचालक गोधन न्याय मिशन डॉ. भारतीदासन ने ग्राम परसदा(डं.), ग्राम नर्राटोला और ग्राम बघमरा में जल जीवन मिशन के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने हितग्राहियों से चर्चा कर शुद्ध जल की उपलब्धता जानकारी ली। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि तय समय सीमा में तथा गुणवत्तापूर्ण ढंग से जिले के सभी स्वीकृत कार्यों को पूरा कराएँ। पाईप लाईन लगाए जाने के साथ ही नल कनेक्शन भी प्रदान करें ताकि लोगों को नल के माध्यम से शुद्ध जल उपलब्ध हो सके। जिला मुख्यालय में निर्माणाधीन सी-मार्ट का अवलोकन अपर मुख्य सचिव श्री साहू और सचिव एवं प्रबंध संचालक गोधन न्याय मिशन डॉ. भारतीदासन ने किया। कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने सी-मार्ट स्थापना के संबंध में उन्हें जानकारी दी।

गौठानों में तेजी से स्थापित हो रही प्रसंस्करण इकाईयां

गौठानों में अब तक 100 से अधिक तेल और दाल मिलें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशा के अनुरूप गौठानों को ग्रामीणों को आजीविका के केन्द्र के रूप में विकसित करने को लेकर वहां कई तरह की आयमूलक गतिविधियों को विस्तार किया जा रहा है। गौठानों में अब स्थानीय कृषि एवं वनोत्पाद के प्रसंस्करण के लिए इकाईयों की स्थापना तेजी से की जा रही है, ताकि इसके जरिए उत्पादक कृषकों को बेहतर मूल्य तथा स्थानीय मांग की पूर्ति के साथ-साथ रोजगार के अवसर सुलभ हो सके।

सुराजी गांव योजना के तहत गांवों में अब तक स्थापित 8 हजार 366 गौठानों में से लगभग 350 गौठानों ने तेल मिल एवं दाल मिल की इकाईयां स्थापित किए जाने की कार्ययोजना को मूर्तरूप दिया जा रहा है।

अब तक 37 गौठानों ने तेल मिल एवं 65 गौठानों में दाल मिल की इकाईयां स्थापित हो चुकी है। शेष प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना तेजी से कराई जा रही है। यहां यह उल्लेखनीय है कि गौठानों से 11 हजार 693 महिला स्व-सहायता समूह जुड़े हैं, जिनकी सदस्य संख्या 78 हजार 298 है। इसमें से 5 हजार से अधिक समूह वर्मी खाद का उत्पादन, 1700 से अधिक समूह सामुदायिक सब्जी-बाड़ी, 400 से अधिक समूह मशरूम उत्पादन, 651 समूह मछली पालन, 476 समूह बकरी पालन, 527 समूह मुर्गी पालन, 85 समूह पशु पालन, 325 समूह हर्बल उत्पाद तथा 2100 से अधिक समूह अन्य गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा गौठानों में तेल और दाल मिल का संचालन भी शुरू किया गया है। गौठानों से जुड़े महिला समूह अपनी आयमूलक गतिविधियों के माध्यम से 58 करोड़ 44 लाख रूपए की आय कर चुके हैं, जिसमें सर्वाधिक 32 करोड़ 63 लाख रूपए की आय वर्मी खाद उत्पादन से हुई है।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम स्कूलों में प्राचार्यों और शिक्षकों के पद शीघ्र भरें: प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला ने आज मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम स्कूलों में प्राचार्यों और शिक्षकों के पद शीघ्र भरने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारियों को दिए। डॉ. शुक्ला ने कहा कि शिक्षक विहीन स्कूलों में पदस्थापना के प्रस्ताव 11 अप्रैल तक प्रेषित कर दें।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में प्राचार्यों और अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों, इन्हीं अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में हिन्दी विषय के बच्चों के लिए हिन्दी माध्यमों के शिक्षकों और आगामी शिक्षा सत्र से शुरू होने वाले हिन्दी माध्यम स्कूलों के लिए प्राचार्य और शिक्षकों के पदों की भर्ती शीघ्र की जाए। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों में शिक्षकों के पद रिक्त नहीं रहने चाहिए।

शिक्षा विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय से इन पदों की पूर्ति सुनिश्चित करें। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिन्दी माध्यम के शिक्षकों के पद वहीं हैं जो जिला शिक्षा अधिकारियों ने प्रस्तावित किए हैं। यदि कहीं और पद चाहिए तो प्रस्ताव दे सकते हैं। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिक्षकों का संलग्नीकरण नहीं करना है। जहां से वेतन मिलेगा वहीं वे काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों का संचालन कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति द्वारा किया जा रहा है। स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम स्कूलों में प्राचार्यों के पदों की पूर्ति के प्रस्ताव 11 अप्रैल तक और शिक्षकों के प्रस्ताव 18 अप्रैल तक भेज दें। इन पदों की पूर्ति इसी माह के अंतिम सप्ताह तक कर ली जाए ताकि आगामी माह में प्राचार्यों को प्रशिक्षण दिया जा सके। उन्होंने इन स्कूलों के प्राचार्यों और शिक्षकों के प्रशिक्षण के तैयारी के लिए राज्य राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को निर्देशित किया। इन विद्यालयों से संबंधित जानकारी पोर्टल में अपडेट रखी जाए।

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. शुक्ला ने कहा कि इसी प्रकार शिक्षक विहीन स्कूलों में परीक्षण कर पदस्थापना के प्रस्ताव 11 अप्रैल तक भेज दें। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारियों से कहा कि निजी स्कूलों द्वारा नियम विरूद्ध 8 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि की शिकायत पर आवश्यक कार्यवाही करें। शिक्षा विभाग के अधिकारी स्कूलों का निरीक्षण करें। विभाग के पोर्टल के आधार पर योजनाओं की मानिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के अधिकार के तहत निजी स्कूलों का सत्यापन कर पात्रता के अनुसार भुगतान किया जाए। जिला शिक्षा अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जिनका भुगतान किया जा रहा है वह बच्चा पात्र हो और स्कूल में पढ़ता हो। इसके लिए पोर्टल से बच्चों की स्कूल वार सूची निकालकर दो सप्ताह के भीतर शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन कर लें। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित संस्था के विरूद्ध वसूली की कार्यवाही की जाए।

बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. कमलप्रीत सिंह, संयुक्त सचिव स्कूल शिक्षा राजेश सिंह राणा, संचालक लोक शिक्षण सुनील जैन सहित सभी संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी उपस्थित थे।

पोस्ट कोविड फॉलो-अप कैंप में 107 लोगों की जांच

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित शिविर में इस वर्ष की थीम 'हमारा ग्रह हमारा स्वास्थ्य' पर संगोष्ठी भी आयोजित की गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर राज्य शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, इंडियन मेडिकल एसोशिएशन (IMA) रायपुर और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के सहयोग से आज पंडरी स्थित रायपुर जिला अस्पताल में राज्य स्तरीय पोस्ट कोविड फॉलो-अप कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में कोरोना वायरस से संक्रमित हुए लोगों को हृदय रोग, किडनी रोग, मनोरोग, नाक-कान-गला रोग, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और पल्मनोलॉजी से संबंधित रोगो के बारे में विशेषज्ञों द्वारा परामर्श प्रदान किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ की संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने कैंप का शुभारंभ किया।

रायपुर जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. पी.के. गुप्ता ने बताया कि शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पेट रोग, फेफड़ों के रोग, मेडिसीन, हृदय रोग और किडनी रोग के मरीजों को अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में 107 लोगों की जांच की गई। 29 लोगों की जनरल मेडिसिन एवं हृदय रोग संबंधी, 11 लोगों की किडनी, चार लोगों की मनोरोग संबंधी, नाक-कान-गला रोग के 13, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के लिए 18 और पल्मनोलॉजी के लिए 15 लोगों की जांच की गई। शिविर में रक्तचाप और मधुमेह की भी जांच की गई। शिविर में विश्व स्वास्थ्य दिवस के लिए इस वर्ष की थीम अवर प्लानेट अवर हेल्थ (हमारा ग्रह हमारा स्वास्थ्य विषय पर संगोष्ठी भी आयोजित की गई। रायपुर जिले की मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मीरा बघेल और विश्व स्वास्थ्य संगठन के हेल्थ सिस्टम ऑफिसर श्री उरिया नाग सहित अन्य विशेषज्ञों ने संगोष्ठी में अपने विचार रखे। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग, आईएमए, पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर व जिला चिकित्सालय रायपुर के अनेक डॉक्टर और चिकित्सा विशेषज्ञ भी मौजूद थे।

खास खबर

स्कूली बच्चों को मिलेगी निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें

रायपुर। छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा शिक्षा सत्र 2022-23 के लिए शासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों के कक्षा पहली से दसवीं की हिन्दी माध्यम की पाठ्य पुस्तकों के वितरण हेतु कार्ययोजना बनाई गई है। जिसके अनुसार शासकीय एवं अनुदान प्राप्त शालाओं के कक्षा 9वीं एवं 10वीं की हिन्दी माध्यम की निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें हाई स्कूल स्तर पर पहुंचाकर वितरण किया जाएगा। इस संबंध में संभागीय संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा से जिलावार छात्र संख्या छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम को प्राप्त हो जाने की स्थिति में 18 अप्रैल से पाठ्य पुस्तक वितरण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। जिलावार प्राप्त छात्र संख्या के अनुरूप पाठ्य पुस्तक निगम मुख्यालय के एनआईसी शाखा द्वारा ऑनलाइन अपलोड किए गए डाटा अनुसार ही निगम के सभी डिपो प्रभारी पाठ्य पुस्तकों के वितरण का कार्य सुनिश्चित करेंगे।

छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के 6 डिपो के माध्यम से 5 हजार 540 संकुल, 4 हजार 720 हाई स्कूलों में पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जाएगा। कक्षा पहली से 10वीं तक निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों के वितरण शासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालय को 18 अप्रैल से 31 मई के मध्य पाठ्य पुस्तकों की उपयोगिता के आधार पर किया जाएगा। निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों की वितरण की शुरूआत कक्षा 9वीं एवं 10वीं की शासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों को किया जाएगा। वितरण 4 हजार 720 हाई स्कूलों की संख्या को लक्ष्य मानकर किया जाएगा। हाई स्कूलों में वितरण के बाद कक्षा पहली से 8वीं के विद्यार्थियों के लिए 5 हजार 540 संकुलों में वितरण किया जाएगा। शासकीय अनुदान प्राप्त विद्यालयों में पाठ्य पुस्तकों का वितरण कार्यपूर्ण होने पर निजी विद्यालयों को पाठ्यपुस्तकों का वितरण निगम के 6 स्थायी डिपो से किया जाएगा। पाठ्य पुस्तकों का वितरण एवं परिवहन रविवार एवं अन्य शासकीय अवकाश के दिनों में संचालित रहेगा। यदि निर्धारित संख्या से कम या अधिक पाठ्य पुस्तकें प्राप्त होती हैं तो इसका उल्लेख करने के बाद ही परिवहनकर्ता को पावती उपलब्ध कराएं। किसी कक्षा विशेष की पाठ्य पुस्तकों की बंडलों में पाए गए कम या अधिक की सूचना तत्काल वितरण प्रभारी को देना होगा। पाठ्य पुस्तकों की अधिस्वीकृति प्राप्त करने के बाद कम या अधिक पाठ्य पुस्तकों की शिकायत प्राप्त होने पर समस्त जवाबदारी प्राप्तकर्ता की होगी।

राज्य में स्थापित होंगे लगभग 1000 परिवहन सुविधा केन्द्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में परिवहन संबंधी सेवाओं का आसान और घर के निकट उपलब्ध कराने के लिए राज्यभर में परिवहन सुविधा केन्द्र खोलने की प्रक्रिया को मंजूरी मिल गई है। परिवहन संबंधी सेवाओं में विस्तार के लिए राज्यभर में परिवहन सुविधा केन्द्र की स्थापना को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीते 26 जनवरी को घोषणा की थी। मुख्यमंत्री बघेल की घोषणा के बाद इस संबंध में प्रक्रिया शुरू की गई। इस दौरान परिवहन सुविधा केन्द्र की स्थापना और भूमिका को लेकर परिवहन विभाग की ओर से प्रारूप तैयार किया गया। इस प्रारूप को अनुमोदित कर आगे की कार्यवाही के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जारी मार्गदर्शिका के अनुसार राज्यभर में लगभग एक हजार परिवहन सुविधा केन्द्र पूरे राज्य में खोले जा सकते हैं। वहीं परिवहन सुविधा केन्द्रों की स्थापना से करीब पांच हजार युवाओं के रोजगार सृजन की संभावना भी बनेगी। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 31 मार्च 2021 को जारी भारत सरकार के राजपत्र क्रमांक 240(अ) के अनुसार लर्निंग लाइसेंस बनाने के लिए परिवहन सुविधा केन्द्र को अधिकृत किया जा सकता है। इस परिकल्पना को रोजगारन्मुखी स्वरूप देने के लिए छत्तीसगढ़ में परिवहन सुविधा केन्द्र की स्थापना का निर्णय लिया गया है। परिवहन सुविधा केन्द्रों में लर्निंग लाइसेंस के अलावा अन्य परिवहन संबंधी सेवा के लिए आवेदन किया जा सकेगा। इससे जहां आमजनता को आसानी से और घर से निकट परिवहन संबंधी सेवाएं उपलब्ध होंगी। वहीं शिक्षित युवा बेरोजगारों को रोजगार भी मिलेगा। मार्गदर्शिका में परिवहन सुविधा केन्द्रों में विभिन्न सेवाओं के लिए शुल्क भी निर्धारित किया गया है।

पेयजल आपूर्ति लगातार जारी रहे : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कमिश्नरों और कलेक्टरों की बैठक ली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने मंत्रालय महानदी भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य के कमिश्नर्स, कलेक्टर्स एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की बैठक लेकर शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने मुख्यतः कलेक्टरों से कहा कि गर्मी के मौसम में लगातार पेयजल आपूर्ति होती रहे, ऐसी व्यवस्था की जाए। उन्होंने ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति पर लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए है।

उन्होंने कहा है पेयजल स्त्रोतों के आस-पास साफ-सफाई एवं शुद्धीकरण के लिए सभी जरूरी कार्य किए जाए। सभी क्षेत्रों में हैण्डपंप, नलकूप, नल-जल एवं जल आर्वधन योजनाओं की लगातार मानिटरिंग हो। जहां पर मरम्मत, दुरूस्तीकरण की जरूरत हो उसे तत्काल किया जाए। इसके लिए सभी क्षेत्रों में टीमों का गठन कर उन्हें सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जाने के निर्देश ग्रामीण एवं पंचायत विभाग एवं नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने नगरीय प्रशासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व एवं लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने कहा है। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु में हीटवेव, जल संकट से निपटने की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने कहा कि पिछले दिनों कमिश्नरों को तहसील स्तर पर राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति के संबंध विजिट करने के निर्देश दिए गए थे। कमिश्नरों ने इस संबंध में अच्छा कार्य किया है। कमिश्नर लगातार तहसीलों में जाकर राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा कर रहे हैं। मुख्य सचिव ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को समय-सीमा के बाह्य राजस्व प्रकरणों की शत-प्रतिशत कारण सहित पोर्टल में अंकित करने निर्देश दिए। इसी तरह से राजस्व अधिकारियों को कहा गया है कि राजस्व मद में प्राप्त भूमि के अभिलेखों की शुद्धि एवं उनके उपयोग के लिए एक कार्ययोजना तैयार करें। मुख्य सचिव ने ओबीसी गणना के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को और तेजी से काम करने के निर्देश दिए है। इसी तरह से नगरीय क्षेत्रों में जहां पर ओबीसी गणना नहीं हो पायी है, वहां पर गणना करने एवं ओबीसी हितग्राहियों के शत-प्रतिशत राशनकार्ड बनाने के लिए समुचित कार्यवाही करने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने धान उपार्जन केन्द्रों से धान उठाव की जिलेवार समीक्षा की तथा उठाव से शेष धान का तत्काल उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। इसी तरह से जिलेवार भारतीय खाद्य निगम में लक्ष्य के अनुसार चावल जमा करने की समीक्षा की। बैठक में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. मनिन्दर कौर द्विवेदी, नगरीय प्रशासन सचिव अलरमेल मंगई डी., सचिव जल संसाधन अन्बलगन पी., राजस्व सचिव एन.एन.एक्का, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा, सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी धनंजय देवांगन, प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम निरंजन दास, मार्कफेड की एमडी सुश्री किरण कौशल, आयुक्त भू-अभिलेख धर्मेश साहू सहित पीएचई, ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से नीदरलैंड की वैश्विक संस्था कामनलैण्ड फाउण्डेशन के प्रतिनिधि मंडल ने की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय में पर्यावरण की बेहतरी और आदिवासियों की आजीविका के लिए कार्य करने वाली नीदरलैंड की वैश्विक संस्था कामनलैण्ड फाउण्डेशन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विलियम फरवेर्डा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। कामनलैण्ड फाउण्डेशन ने पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के बोडला विकासखण्ड की बैगा बहुल दो ग्राम पंचायतों धोलबज्जा एवं शंभूपीपर का चयन किया है। यहां यह संस्था आदिवासी जन समुदाय के साथ उनके पारंपरिक ज्ञान, विभिन्न योजनाओं के अभिसरण और आधुनिक तकनीक का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण और आदिवासी समुदाय की आजीविका के साधनों के विकास के लिए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री बघेल ने श्री विलियम के साथ राज्य में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने एवं आदिवासी समुदाय की आजीविका से संबंधित संचालित योजनाओं और उनके सकारात्मक परिणामों के संबंध में विस्तार से विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री बघेल ने चर्चा के दौरान राज्य मे सुराजी गांव योजना के अंतर्गत संचालित नरवा, गरवा, घुरवा बाड़ी कार्यक्रम, गोधन न्याय योजना एवं मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं के द्वारा स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल रहा है और इससे पर्यावरण भी संरक्षित हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने आदिवासी समुदाय को आजीविका के लाभप्रद साधन उपलब्ध कराने के लिए कॉमनलैण्ड फाउण्डेशन द्वारा चयनित ग्राम पंचायतों में वहां की जलवायु के अनुकूल फलों के व्यावसायिक उत्पादन को बढ़ावा देने और उनके प्रसंस्करण का कार्य प्रारंभ करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय जलवायु के अनुकूल अलग-अलग फलों के लिए अलग-अलग उद्यान विकसित किए जाने चाहिए। फलों का प्रसंस्करण भी वहीं किया जाना चाहिए।

सीएम की घोषणा पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा त्वरित अमल प्रारंभ

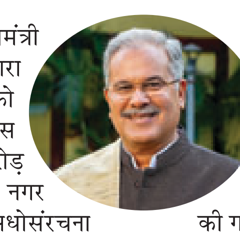

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा नगर पालिकाओं को अधोसंरचना विकास के लिए 5 करोड़ रूपए और नगर पंचायतों को अधोसंरचना विकास के लिए 3 करोड़ रूपए की राशि उपलब्ध कराने की घोषणा पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा समस्त नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों को अधोसंरचना विकास मद में क्रमशः 5 करोड़ रूपए और 3 करोड़ रूपए की वित्तीय स्वीकृति की अनुशंसा करते हुए नगरीय निकायों से इस मद में कराए जाने वाले कार्यो के प्रस्ताव 15 दिनों में विशेष वाहक के माध्यम से भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बघेल द्वारा 31 मार्च को यह घोषणा की गई थी, जिसके तारतम्य में नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा वित्त समिति की 4 अप्रैल को आयोजित बैठक में वित्तीय वर्ष 2021-22 में अधोसंरचना विकास मद में नगर पालिकाओं को 5 करोड़ रूपए तथा नगर पंचायतों को 3 करोड़ रूपए उपलब्ध कराने की अनुशंसा की गई है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा राजनांदगांव जिले के नगरीय निकायों को छोड़कर अन्य सभी नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

आकार लेने लगी है छत्तीसगढ़ में पर्यटन तीर्थों की नयी श्रृंखला

चंदखुरी के बाद शिवरीनारायण में भी विकास का काम पूरा हुआ

10 अप्रैल को लोकार्पित करेंगे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

08 अप्रैल से शुरू हो जाएगा तीन दिवसीय भव्य लोकार्पण समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ से जुड़ी भगवान श्रीराम के वनवास काल की स्मृतियों को सहेजने तथा संस्कृति एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राम वन गमन पर्यटन परिपथ परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में चयनित 9 पर्यटन तीर्थों का तेजी से कायाकल्प कराया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत इन सभी पर्यटन तीर्थों की आकर्षक लैण्ड स्कैपिंग के साथ-साथ पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विकास भी किया जा रहा है। 139 करोड़ रूपए की इस परियोजना में उत्तर छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले से लेकर दक्षिण छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले तक भगवान राम के वनवास काल से जुड़े स्थलों का संरक्षण एवं विकास किया जा रहा है। चंदखुरी के बाद अब शिवरीनारायण में भी विकास कार्य पूरा हो चुका है, जिसका लोकार्पण 10 अप्रैल को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल करेंगे। इसके लिए तीन दिवसीय भव्य समारोह की शुरुआत 08 अप्रैल से हो जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चंदखुरी स्थित माता कौशल्या मंदिर में वर्ष 2019 में भूमिपूजन

कर राम वनगमन पर्यटन परिपथ के निर्माण की शुरूआत की थी। इस परिपथ में आने वाले स्थानों को रामायणकालीन थीम के अनुरूप सजाया और संवारा जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन की इस महात्वाकांक्षी योजना से भावी पीढ़ी को अपनी सनातन संस्कृति से परिचित होने के अवसर के साथ ही देश-विदेश के पर्यटकों को उच्च स्तर की सुविधाएं भी प्राप्त होगी। 07 अक्टूबर 2021 को तीन दिवसीय भव्य राष्ट्रीय आयोजन के साथ माता कौशल्या मंदिर, चंदखुरी के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्यो का लोकार्पण मुख्यमंत्री द्वारा किया गया है, जिसके पश्चात् पर्यटकों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है, जो कि राम वनगमन पर्यटन परिपथ निर्माण की सफलता का परिचायक है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं परम्परा में प्रभु श्री राम रचे-बसे है। जय सिया राम के उद्घोष के साथ यहां दिन की शुरूआत होती है। इसका मुख्य कारण है कि छत्तीसगढ़ वासियों के लिए श्री राम केवल आस्था ही नहीं है बल्कि वे जीवन की एक अवस्था और आदर्श व्यवस्था भी हैं। छत्तीसगढ़ में उनकी पूजा भांजे के रूप में होती है। रायपुर से महज 27 कि.मी. की दूरी पर स्थित चंदखुरी, आरंग को माता कौशल्या की जन्मभूमि और श्रीराम का ननिहाल माना जाता है। छत्तीसगढ़ का प्राचीन नाम दक्षिण कोसल है।

रघुकुल शिरोमणि श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या है लेकिन छत्तीसगढ़ उनकी कर्मभूमि है। वनवास काल के दौरान अयोध्या से प्रयागराज, चित्रकूट सतना गमन करते हुए श्रीराम ने दक्षिण कोसल याने छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के भरतपुर पहुंचकर मवई नदी को पार कर दण्डकारण्य में प्रवेश किया। मवई नदी के तट पर बने प्राकृतिक गुफा मंदिर, सीतामढ़ी-हरचौका में पहुंचकर उन्होनें विश्राम किया। इस तरह रामचंद्र जी के वनवास काल का छत्तीसगढ़ में पहला पड़ाव भरतपुर के पास सीतामढ़ी-हरचौका को माना जाता है।

छत्तीसगढ़ की पावन धरा में रामायण काल की अनेक घटनाएं घटित हुई हैं जिसका प्रमाण यहां की लोक संस्कृति, लोक कला, दंत कथा और लोकोक्तियां हैं।

राम वन गमन पर्यटन परिपथ के अंतर्गत प्रथम चरण में सीतामढ़ी-हरचौका (जिला कोरिया), रामगढ़ (जिला सरगुजा), शिवरीनारायण (जिला जांजगीर-चांपा), तुरतुरिया (जिला बलौदाबाजार), चंदखुरी (जिला रायपुर), राजिम (जिला गरियाबंद), सप्तऋषि आश्रम सिहावा (जिला धमतरी), जगदलपुर और रामाराम (जिला सुकमा) को विकसित किया जा रहा है।

कोरिया जिले का सीतामढ़ी रामचन्द्र जी के वनवास काल के पहले पड़ाव के नाम से भी प्रसिद्ध है। पौराणिक और ऐतिहासिक ग्रंथों में रामगिरि पर्वत का उल्लेख आता है। सरगुजा जिले का यही रामगिरी-रामगढ़ पर्वत है। यहां स्थित सीताबेंगरा- जोगीमारा गुफा की रंगशाला को विश्व की सबसे प्राचीन रंगशाला माना जाता है। मान्यता है कि वन गमन काल में रामचंद्र जी के साथ सीता जी ने यहां कुछ समय व्यतीत किया था, इसीलिए इस गुफा का नाम सीताबेंगरा पड़ा।

जांजगीर-चांपा जिले में प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण शिवनाथ, जोंक और महानदी का त्रिवेणी संगम स्थल शिवरीनारायण है। इस विष्णुकांक्षी तीर्थ का संबंध शबरी और नारायण होने के कारण इसे शबरी नारायण या शिवरीनारायण कहा जाता है। ये मान्यता है कि इसी स्थान पर माता शबरी ने वात्सल्य वश बेर चखकर मीठे बेर रामचंद्र जी को खिलाए थे। यहां नर-नारायण और माता शबरी का मंदिर है जिसके पास एक ऐसा वट वृक्ष है, जिसके पत्ते दोने के आकार के हैं। चंदखुरी के बाद अब शिवरीनारायण में भी विकास कार्य पूरा हो जाने से राज्य में पर्यटन तीर्थों की नयी श्रृंखला आकार लेने लगी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 10 अप्रैल को शिवरीनारायण के विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। इसके लिए आज से समारोह की शुरुआत हो जाएगी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

'केजीएफ' के बाद देश के कई प्रोड्यूसर्स ने फिल्मों के ऑफर दिए, यश बोले-

मैं एक्टिंग के अलावा फिल्म के कई डिपार्टमेंट से जुड़ता हूं

साउथ की फिल्म इंडस्ट्री में रजनीकांत के अलावा यश ऐसे स्टार हैं, जिंदगी ने जिनकी काफी अग्निपरीक्षा ली। इसके बावजूद उन्होंने जादुई स्टारडम स्टेट्स हासिल किया है।

'केजीएफ' में आपने लंबे समय तक शूट की। एक्टिंग के अलावा किस डिपार्टमेंट जुड़ते हैं?

मैं हर प्रॉसेस में जुड़ा होता हूं। मैं थिएटर बैकग्राउंड से हूं। वहां मेरे शुरूआती दिन रहे। उसने एक बात सिखाई। मेरे दिमाग में एक्टर का काम लास्ट में आता है। हमारे इधर हर डिपार्टमेंट का आदमी हर कुछ कर सकता है। पूरी टीम का मिशन होता है ऑडिएंस को एंटरटेन करना बस।

मैं डायरेक्टर के साथ बिगनिंग से रहता हूं। स्क्रिप्ट को समझता हूं पहले। उनके दिमाग में क्या है, वह समझे बिना हम अच्छी परफॉरमेंस नहीं दे सकते। 'डायलॉग कैसे बोलूं' मैं वह नहीं सोचता। उसके बजाय मैं सोचता हूं कि ये डायलॉग मैं क्यूं बोल रहा? मेरी एक्टिंग का प्रॉसेस वहां से शुरू होता है।

आप कैरेक्टर में कैसे ढले?

मेरा तरीका सिंपल है। मैं शूट शुरू होने से पहले से ही डायरेक्टर से जुड़ जाता हूं। उनकी तरह मेरा भी टेंशन रहता है कि सीन बेहतर कैसे आए? टीम के तौर पर काम करता हूं कि सीन विशेष में हमें किस तरह के इमोशन चाहिए? वह सब मुझे पता चलता है तो ही परफॉर्मेंस में वह बात आती है।

केजीएफ के बाद कितनी हिंदी फिल्में ऑफर हुईं?

नहीं। वैसा तो नहीं हुआ। खुले दिल और दिमाग के साथ ज्यादातर प्रोड्यूसर आ रहे थे। ऐसा नहीं कहूंगा कि मेरे पास तो इतने सारे लोग आ गए थे। न सिर्फ हिंदी, बल्कि इंडिया के सारे पार्ट्स से ऑफर आए थे।

तो आप की विशुद्ध बॉलीवुड डेब्यू हम कब एक्सपेक्ट करें?

मैं बॉलीवुड, टॉलीवुड में यकीन नहीं रखता। साथ ही हिंदी का डायरेक्टर हमारे इधर की कहानी या इमोशन कहना चाहे तो वह हिंदी या कन्नड़ा नहीं, इंडियन सिनेमा होगा। वह इसलिए कि हर लैंग्वेज में सेम पैटर्न फॉलो होना है। फिर भी अगर हम लैंग्वेज विशेष में सिनेमा केटर कर सकते हैं तो वह कहीं और क्यों जाए? उसके बजाय हम एक सिनेमा बनाएंगे, उसे हर मुमकिन भाषा में लाएंगे।

एक्टिंग के अलावा फिल्म में किन चीजों का योगदान है?

फिल्म के म्युजिक पर बहुत काम हुआ है। मेरे म्यूजिक डायरेक्टर मने छोटे छोटे साउंड इफेक्ट्स के लिए ढेर सारे इंटरनेशनल साउंड क्रिएटर्स को अप्रोच किया। इस फ्रंट पर हॉलीवुड वाले बजट यूज हुए हैं। रवि बसरूर ने तो कनार्टक के छोटे से गांव बसरूर में स्टूडियो सेट-अप किया था। हम सबने उस छोटे से गांव में जाकर काम किया। वो अपने म्यूजिक से हमारे परफॉरमेंस को नेक्स्ट लेवेल पर ले गए।

फिल्म के दूसरे पार्ट पर नया लड़का है उज्जवल। चैप्टर1 में सेलिब्रेशन के वक्त वह थिएटर के पास खड़ा था। उसका फोटो देखकर मैं भी चौंक गया। वह हमारे फिल्म का एडिटर है। यूट्यूब में वह केजीएफ का फैन वीडियोज बनाता था। वह देखकर हमारी टीम से निकिता ने हायर किया। उसे ट्रेन किया और एडिट का काम दे दिया।

टीआरपी के लिए टीवी शो के मेकर्स को बेलने पड़ते हैं इतने पापड़, विदेश की सैर से भी नहीं करते परहेज

टीवी शोज के मेकर्स हर हफ्ते आते टीआरपी लिस्ट में टॉप पर आने के लिए कई तरह के तरीके अपनाते हैं। हर हफ्ते इन शोज में इस लिस्ट में जगह बनाने की होड़ लगी रहती है, मेकर्स इस लिस्ट में जगह बनाने के लिए हर रोज शो में नए ट्विस्ट तक लाने को तैयार रहते हैं। कई शोज के मेकर्स पानी की तरह पैसा बहाते हैं, तो कई ऐसे हैं जो इसके लिए विदेशों में जाकर शूट करने से भी परहेज नहीं करते हैं। आज हम आपको ऐसे ही टीवी सीरियल्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो टीआरपी लिस्ट में टॉप करने के लिए विदेश का चक्कर तक लगाकर आए हैं।

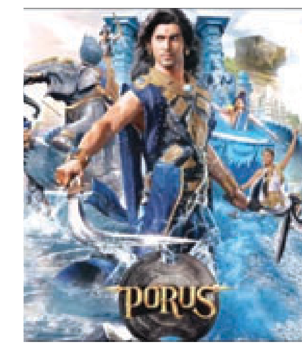

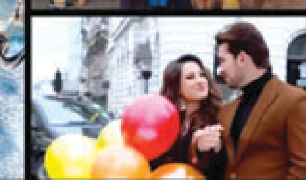

ये रिश्ता क्या कहलाता है

लंबे समय से चले आ रहे टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की कहानी में लोगों की दिलचस्पी बढ़ाने के लिए मेकर्स कई बार विदेश की यात्रा कर कर आ चुके हैं। इसकी पूरी टीम बीते सालों में स्विट्जरलैंड, सिंगापुर, हॉगकांग, थाईलैंड और साउथ अफ्रीका में शूट कर चुकी है।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा

टीवी की दुनिया का सबसे पॉपुलर सिटकॉम 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में कई बार ऐसा ट्रैक दिखाया जा चुका है, जब टीम विदेश में जाकर शूट करती है। इस शो के सितारे डिज्नीलैंड और सिंगापुर जैसी खूबसूरत लोकेशन पर शूट कर चुके हैं।

ससुराल सिमर का

वर्षों तक टीआरपी की लिस्ट में धूम मचाने वाले सीरियल 'ससुराल सिमर का' की टीम भी विदेश की सैर कर चुकी है। इन्होंने अपने शो के 1000 एपिसोड पूरे होने की पार्टी हॉग कॉन्ग में की थी।

दिया और बाती हम

स्टार प्लस के एक और शो 'दिया और बाती हम' की टीम विदेश में धमाल मचा चुकी है। शो की टीम 10 दिनों के लिए सिंगापुर गई थी, जहां इन्होंने खूब मस्ती की थी।

ये है मोहब्बतें

दिव्यंका त्रिपाठी का शो 'ये हैं मौहब्बतें' आखिर कैसे पीछे रह सकता है। इसका एक सीक्वेंस लंदन में शूट किया गया था, जहां की खूबसूरती ने इन सभी का मन मोह लिया था।

बड़े अच्छे लगते हैं

राम कपूर और साक्षी तंवर की सिजलिंग केमिस्ट्री दिखाने वाला शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' भी विदेशी धरती पर शूट हो चुका है। राम और प्रिया अपने हनीमून के लिए ऑस्ट्रेलिया गए थे।

तू आशिकी

कलर्स के सीरियल 'तू आशिकी' के सितारे भी शूटिंग की वजह से लंदन की सैर कर चुके हैं। शो का एक जरूरी हिस्सा शूट करने के लिए मेकर्स ने लंदन को चुना था।

पोरस

अलेक्जेंडर द ग्रेट को पूरी दुनिया में अगर कोई चुनौती दे पाया था तो वह हमारे यहां का महान राजा पोरस था। उन्हीं के जीवन को दर्शाते टीवी सीरियल पोरस की शूटिंग थाईलैंड में की गई थी। 350 B.C. के इंडिया को दिखाने के लिए मेकर्स ने थाईलैंड को चुना था।

इश्क में मरजावां

अर्जुन बिजलानी और उनकी टीम लंदन में एक सीक्वेंस की शूटिंग कर चुकी है। इसके अलावा 'इश्क में मर जावां' की टीम शूटिंग के लिए मनाली भी जा चुकी है।

उडारियां

अब खबर है कि सीरियल 'उडारियां' भी इस लिस्ट में शामिल होने जा रहा है। टीम जल्द ही शूटिंग करने के लिए लंदन रवाना होगी। खबरें हैं कि तेजो फतेह को छोड़कर लंदन शिफ्ट हो जाएगी। ऐसे में फतेह तेजो को वापस लाने के लिए लंदन जाएगा।

अल्लू अर्जुन की साफगोई, 'दर्शक अब सितारों को नहीं कहानी कहने के तरीके को पसंद करते हैं'

अल्लू अर्जुन स्वीकार करते हैं कि दक्षिण भारतीय फिल्मों के हिंदी संस्करणों को मिल रही सफलता भारतीय सिनेमा के लिए एक शुभ संकेत हैं और जैसे जैसे देश की हिंदी पट्टी में सिनेमाघरों की संख्या बढ़ती जाएगी, देश में सिनेमा का कारोबार और बढ़ता जाएगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने ये भी कहा, 'मैं अब हिंदी फिल्में करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं और अच्छे प्रस्ताव लेकर आने वाले मुंबई के निर्माता निर्देशकों के लिए मेरे घर के दरवाजे पूरी तरह खुल चुके हैं।' अल्लू अर्जुन का इन दिनों अपना पूरा फोकस फिल्म 'पुष्पा पार्ट 2' की शूटिंग पर हैं। इसके अलावा शो मैन संजय लीला भंसाली की अगली हिंदी फिल्म में लीड किरदार के लिए भी उनका नाम चर्चा में है। छोटे भाई रामचरण की फिल्म 'आरआरआर' हिंदी में भी धमाल कर रही है।

हिंदीभाषी दर्शकों का शुक्रिया

ये एक अलग तरह का अनुभव है। मुझे पता था कि मेरी फिल्मों का आकर्षण है उत्तर भारत में। सैटेलाइट चैनलों और यूट्यूब चैनलों पर मेरी हिंदी में डब फिल्मों को देखने वालों की बड़ी तादाद रही है। जब दो बार ऐसा हुआ कि मेरी हिंदी में डब फिल्म हिंदी सैटेलाइट मूवी चैनलों में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बन गई तो मैंने इस बारे में विचार करना शुरू किया और 'पुष्पा पार्ट 1' को थिएटरों में हिंदी में रिलीज करने का फैसला इसी की परिणिति है। हमारे देश में भाषाओं की सिनेमाई दीवारें गिर रही हैं। लोग अब अच्छी कहानी पर बना वैश्विक स्तर का सिनेमा देखना चाहते हैं। भाषा अब उनके लिए बाधा नहीं रही। ये नई सोच के नई पीढ़ी के दर्शक हैं और इनकी पसंद अब सितारे नहीं बल्कि कहानी और उसे परदे पर पेश करने का तरीका है।

जरूरी है सिनेमाघरों की संख्या बढ़ना

आबादी के जिस अनुपात में तेलुगू भाषी लोग सिनेमा देखते हैं, अपनी आबादी के हिसाब से उतने प्रतिशत हिंदी भाषी लोग जिस दिन सिनेमा देखना शुरू कर देंगे, दुनिया में सिनेमा का सबसे बड़ा कारोबार भारत में होगा। करीब 30 फीसदी तेलुगू आबादी नियमित सिनेमाघरों तक जाती है। और, तेलुगू फिल्म उद्योग के कारोबार पर, इसकी फिल्मों के बजट पर और इसकी फिल्मों के कलेक्शन पर सीधा असर दिखता है।

अब अखिल भारतीय फिल्मों का समय

अलग अलग भाषाओं के कलाकार लेकर अखिल भारतीय फिल्में बनने का दौर आ चुका है। ऐसी फिल्में आगे भी बनती रहेंगी। मेरे पास अभी तो सिर्फ एक ही फिल्म है 'पुष्पा पार्ट 2' जिस पर मुझे अपना पूरा ध्यान लगाकर काम करना है। हां, हिंदी फिल्मों के लिए मैं अब पूरी तरह तैयार हूं। और किसी अच्छे प्रस्ताव के इंतजार में हूं। अच्छी कहानियां और अच्छे प्रस्ताव लेकर आने वाले हिंदी फिल्म जगत के निर्माताओं और निर्देशकों के लिए मेरे घर के दरवाजे अब पूरी तरह खुल चुके हैं।

सिनेमा की कारोबारी समझ

सिनेमा का कारोबार मुझे समझ आता है। इसीलिए मैंने थिएटर में रिलीज होने के लिए अपनी पहली फिल्म के रूप में 'पुष्पा पार्ट 1' को ही चुना है। इस फिल्म का विषय ऐसा है जो किसी भी क्षेत्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। इसके पहले जो मेरी फिल्म रिलीज हुई थी 'अल्लू वैकुंठपुरमलू', उसे भी हम पहले हिंदी में रिलीज करना चाहते थे लेकिन मुझे लगा कि उसकी कहानी तेलुगू भावनाओं के ज्यादा करीब है तो हमने इसकी शुरूआत 'पुष्पा पार्ट 1' से करने की तैयारी की।

'पुष्पा पार्ट 2' के अलावा कोई फिल्म नहीं

सिनेमा को बनाने और इसे देखने वाले, दोनों तबकों को मनोविज्ञान तेजी से बदल रहा है। लोगों को अब परदे पर कुछ भव्य, कुछ नयनाभिराम और कुछ ऐसा चाहिए जो शायद उन्हें मोबाइल पर उतना मजा न दे। अभी तो मेरा पूरा फोकस 'पुष्पा पार्ट 2' की शूटिंग पर रहेगा। कुछ महीने मैं ब्रेक लेने के बाद हमने 'पुष्पा 2' की आगे की कहानी आगे काम शुरू कर दिया है। फिलहाल मेरी योजना यही है।

फुकरे 3: पंकज त्रिपाठी ने फिल्म की शूटिग के बीच आईआईटी खड़गपुर के छात्रों से की मुलाकात, प्रेरक भाषण भी दिया

एक्टर पंकज त्रिपाठी दिल्ली में 'फुकरे' के अगले पार्ट की शूटिंग कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने सेट से समय निकाला और भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में से एक आईआईटी खड़गपुर गए। वहां उन्होंने भाषण दिया और शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि सभी छात्रों के लिए जीवन और करियर के लक्ष्यों के बारे में विचार की स्पष्टता होनी चाहिए।

आज की पीढ़ी आधुनिक और प्रगतिशील ज्ञान से लैस है: पंकज

पंकज कहते हैं, भारत के इस तरह के एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान में भाषण देना सम्मान की बात है और यह वास्तव में मेरे लिए बहुत मायने रखता है। युवा दिमाग को प्रेरित करना हमेशा किसी के लिए भी एक चुनौतीपूर्ण काम होता है। खासकर जिस तरह की पीढ़ी के साथ हम काम कर रहे हैं। आज के ज्यादातर बच्चे जानते हैं कि उन्हें जीवन में क्या चाहिए। इसलिए केवल एक चीज जो आप प्रदान कर सकते हैं, वह है अनुभव के माध्यम से अपनी शिक्षा।

पंकज आगे कहते हैं, आज की पीढ़ी आधुनिक और प्रगतिशील ज्ञान से लैस है। लेकिन हमेशा ऐसी चीजें होती हैं, जो इससे पहले की पीढ़ियों ने अनुभव की हैं और वर्षों से देखी हैं और उन सूचनाओं से अवगत हैं, जिन्हें वे साझा करना चाहते हैं और युवा पीढ़ी इससे लाभान्वित हो सकती है। यह नए और अनुभवी लोगों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान है। मैं हमेशा चाहता था कि टू वे कम्युनिकेशन हो।

आरटीआई से मांगी गई सुशांत सिंह राजपूत केस की जानकारी, सीबीआई बोली- जांच हो सकती है प्रभावित

सुशांत सिंह राजपूत की मौत को लगभग दो साल होने वाले हैं, लेकिन अब तक एक्टर की मौत की गुत्थी नहीं सुलझ पाई है। फिलहाल सुशांत की कथित आत्महत्या की जांच सीबीआई कर रही है। इस बीच एक आरटीआई का जवाब देते हुए सीबीआई ने कहा है कि जांच की प्रगति की जानकारी नहीं दी जा सकती है क्योंकि इससे जांच प्रभावित हो सकती है।

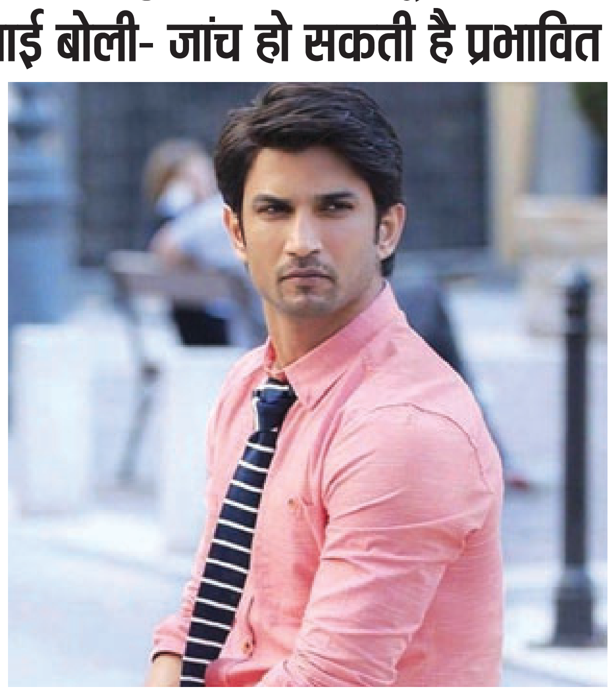

इसी साल जनवरी में सुशांत सिंह राजपूत केस पर महाराष्ट्र कांग्रेस नेता सचिन सावंत ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि बिहार चुनाव में लाभ पाने के लिए सुशांत सिंह राजपूत की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। यह एक चुनावी स्टंट था। उन्होंने कहा था कि इतना समय बीत जाने के बाद भी सीबीआई किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है।

बता दें कि 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत मुंबई के बांद्रा स्थित अपने घर में मृत पाए गए थे। चश्मदीदों का कहना था कि उन्होंने सुशांत का शव पंखे से लटका पाया था। पुलिस की जांच में भी मौत की वजह आत्महत्या बताई गई थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी सुशांत की मौत की वजह दम घुटना बताया गया था। इस जांच से सुशांत के फैंस संतुष्ट नहीं थे। बाद में केंद्र सरकार ने इस केस की जांच को सीबीआई को सौंप दी थी।

इस फिल्म में आए थे अंतिम बार नजर

सुशांत की अंतिम फिल्म दिल बेचारा थी। यह फिल्म उनकी मौत के बाद रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अपने फेवरेट एक्टर को आखिरी बार देखकर फैंस इमोशनल हो गए थे। दिल बेचारा का निर्देशन मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने किया था।

खास खबर

महिला चेम्बर ने डॉ. भीमराव आम्बेडकर हास्पीटल में 11 बेड दान किया

रायपुर। अस्पताल में समस्या को महिला चेम्बर के साथ साझा करने के लिए डॉ. मीरा बघेल जी मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी, रायपुर (सीएमएचओ) एवं डॉ. नेताम जी को धन्यवाद ज्ञापित किया। महिला चेम्बर अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा ने नरेंद्र हरचंदानी को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया साथ ही महिला चेम्बर की टीम के सभी सदस्यों को अपना बहुमूल्य समय देने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे खुशी एवं गर्व है कि सभी सदस्य हमेशा मेरे साथ खड़े हैं और उनका समर्थन सदैव प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर महिला चेम्बर संरक्षक श्रीमती आभा मिश्रा, अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा, महामंत्री पिंकी अग्रवाल, उपाध्यक्ष- नीलम दिवाकीर्ति, हेमल शाह, साक्षी बजाज, मंत्री-सोमा घोष, मीडिया प्रभारी इंदिरा जैन, रितु सलोट आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

विस् अध्यक्ष डॉ महंत ने शहीद दिवस, मंगल पांडे की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने महान क्रांतिकारी भारत के सच्चे देशभक्त मंगल पांडे की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। विस् डॉ महंत ने मंगल पांडे जैसे योद्धा को याद करते हुये कहा कि, मंगल पांडे एक ऐसे वीर योद्धा थे, जिन्होंने आजादी की पहली लड़ाई का बिगुल फूंका था और ब्रिटिश हुकूमत को अपने निडर व्यक्तित्व से भारतीयों की ताकत का एहसास करवाया दिया था। मंगल पांडे एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। विस् डॉ महंत ने कहा कि, अंग्रेजों के खिलाफविद्रोह करने वाले मंगल पांडे देश के पहले क्रांतिकारी थे, सिर्फ 1857 की क्रांति की चिंगारी लगाई, बल्कि भारतीयों के अंदर अंग्रेजों की गुलामी से छुटकारा पाने की अलख जगाई थी।

धमनी और मुड़ियाडीह माईनर नहरों के जीर्णोद्धार कार्य की मिली मंजूरी

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखण्ड पलारी लवन शाखा नहर की वितरक शाखा धमनी एवं मुड़ियाडीह माईनर नहरों का जीर्णोद्धार कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। जल संसाधन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन से इस आशय का आदेश जारी किया गया है जारी आदेश के तहत धमनी एवं मुड़ियाडीह नहरों के रिमॉडलिंग, सीसी लाईनिंग कार्य एवं स्ट्रकचर का पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार कार्य के लिए 64.36 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

स्वावलंबन के छत्तीसगढ़ मॉडल ने लिया मूर्तरूप, जिले ने पेश की मिसाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

मिलर्स को सीधे उपार्जित धान उपलब्ध कराकर बचाए 22 करोड़ रूपए

धमतरी। स्वावलंबन के छत्तीसगढ़ मॉडल की अवधारणा को मूर्त रूप देते हुए जिले ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। खरीफविपणन वर्ष 2021-22 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन व्यय में 22 करोड़ रूपए की बचत की गई है। जिले में समितियों से सीधे मिलर्स को उपार्जित धान उपलब्ध कराने की नीति अपनाई गई।

इससे परिवहन, डनेज, कैप कव्हर, मजदूरी, सूखत आदि पर होने वाले व्यय में कमी के साथ मानव श्रम और समय की बचत हुई। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के कुशल नेतृत्व और कलेक्टर श्री पी.एस. एल्मा के मार्गदर्शन में चालू खरीफ विपणन वर्ष में उचित रणनीति और कार्ययोजना के कारण जहां किसान आसानी से बिना परेशानी अपना धान बेच पाए, वहीं रिकॉर्ड खरीदी का भी कीर्तिमान बना।

कलेक्टर श्री एल्मा ने मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि राज्य सरकार के निर्देश पर जिला स्तर समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु व्यवस्थित और त्वरित उपार्जन व्यवस्था सुनिश्चित की गई। पंजीकृत राइस मिलर्स और उपार्जन व्यवस्था प्रभारियों का समन्वय किया गया। इससे धमतरी जिले के सभी 96 उपार्जन केन्द्रों से राइस मिलर्स ने सीधे धान का उठाव किया। जिले के कुल 1 लाख 17 हजार 361 पंजीकृत किसानों में से प्रत्येक खरीदी दिवस में 64 प्रतिशत सीमांत, 25 प्रतिशत लघु एवं 11 प्रतिशत दीर्घ कृषकों को प्राथमिकता देते हुए धान उपार्जन किया गया, जिससे धान उपार्जन कार्य में बाधा उत्पन्न नहीं हुई और निर्बाध रूप से सभी समितियों से मार्च में तय समय-सीमा में धान का उठाव हुआ। इसके साथ ही क्रय धान की कस्टम मिलिंग भी सुनिश्चित की गई।

इस साल जिले में योजनाबद्ध ढंग से कुल उपार्जित 4 लाख 31 हजार 397 मीट्रिक टन धान को संग्रहण केन्द्र में परिवहन न कर सीधे समितियों से मिलर्स को दिया गया। इससे शत-प्रतिशत धान का उठाव निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हो गया, जिससे सभी समितियों में जीरो शॉर्टेज रहा। इसके अतिरिक्त जिले के मिलरों को प्रोत्साहित कर अन्य जिलों कांकेर, बालोद, गरियाबंद, बेमेतरा, राजनांदगांव तथा महासमुंद से भी एक लाख 35 हजार 686 मीट्रिक टन धान सीधे समितियों से उठाव कराया गया। इससे खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए राज्य सरकार को लगभग 22 करोड़ रूपये से अधिक राशि की बचत हुई। इसके अलावा भारतीय खाद्य निगम में एक दिसम्बर 2021 से छह अप्रैल तक कुल 02 लाख 12 हजार 135 मीट्रिक टन चावल जमा किया जा चुका है जो कि लक्ष्य के विरूद्ध 115 प्रतिशत है। इसमें सामान्य चावल 01 लाख 73 हजार 51 मीट्रिक टन और फोर्टिफाइड चावल 39 हजार 84 मीट्रिक टन चावल शामिल है।

भारतीय समुदाय भारत-नीदरलैंड के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है : राष्ट्रपति

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा कि भारतीय समुदाय भारत-नीदरलैंड के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है और न केवल भारत व नीदरलैंड बल्कि भारत और यूरोप के बीच एक सेतु का काम करता है। वह नीदरलैंड में भारत की राजदूत श्रीमती रीनत संधू की ओर से कल शाम (6 अप्रैल, 2022) एम्स्टर्डम में आयोजित स्वागत समारोह में भारतीय समुदाय के सदस्यों और भारत के मित्रों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज यूरोप के मुख्य भूभाग नीदरलैंड में भारतीय समुदाय सबसे बड़ा भारतीय मूल का प्रवासी है, जिसमें हिन्दुस्तानी-सूरीनामी समुदाय के दो लाख (200,000) से अधिक सदस्य हैं और 60,000 से अधिक भारतीय पेशेवर व छात्र रहते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि नीदरलैंड में भारतीय पेशेवरों ने बहुत अच्छा काम किया है। उद्यमियों, डॉक्टरों, बैंकरों और तकनीकी विशेषज्ञों के रूप में वे बड़े पैमाने पर डच समाज और अर्थव्यवस्था के साथ-साथ वैश्विक समुदाय के लिए अत्यधिक मूल्यवान साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धियों और सफलता पर भारत को गर्व है।

राष्ट्रपति ने कहा कि कोई एक भारतीय को भारत से बाहर ले जा सकता है, लेकिन किसी भारतीय से भारत को नहीं ले जाया जा सकता है। पिछले सैकड़ों वर्षों में कई भारतीयों ने विदेश यात्राएं की हैं जबकि भारत हमेशा उनके दिलों में धड़कता रहा है। वे दुनिया के जिस भी हिस्से में बसे उन्होंने भारतीय सभ्यता के मूल्यों को गर्व के साथ जीवित रखा। भारतीय मूल के लोग जहां भी बसे उन्होंने उस जगह को अपने घर के रूप में मान लिया और पूरी तरह से उससे जुड़ गए। राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले साल महामारी के दौरान प्रवासी भारतीयों ने सामग्री और मौद्रिक दान के माध्यम से अपना सहयोग दिया। उन्होंने इस विचारशील भावना की सराहना की और कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में सभी सामग्री और मौद्रिक दान का सदुपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में हमें याद आता है कि विदेशों में रहने वाले भारतीय प्रवासी हमारा विस्तारित परिवार है जो हमें अतिरिक्त शक्ति प्रदान करता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत प्रवासी भारतीयों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय प्रवासियों के साथ हमारा जुड़ाव और उन तक पहुंच कई गुना बढ़ी है। हमने 4सी के तहत कई पहल की हैं, जिनमें केयर (देखभाल), कनेक्ट (जुड़ना), सेलिब्रेट (उत्सव मनाना) और कंट्रीब्यूट (योगदान) शामिल हैं। भारत के प्रवासी नागरिक कार्ड कई क्षेत्रों में मान (प्रतिष्ठा) और विशेषाधिकार देने के लिए जारी किए गए हैं। लंबी अवधि के वीजा और ई-वीजा के जरिए भारत की यात्रा को सुगम बनाया गया है। प्रवासी युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें भारतीय युवाओं व उनकी भारतीय जड़ों से परिचित कराने के लिए हमने उच्च शिक्षा के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों में शामिल होने को लेकर भारतीय मूल के प्रवासी बच्चों के लिए भारत को जानें कार्यक्रम और छात्रवृत्ति कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने भारतीय समुदाय के सदस्यों से इन अवसरों का लाभ उठाने और उनमें सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज व्यापार, सामाजिक उद्यमों और सांस्कृतिक संबंधों के लिए अवसरों से परिपूर्ण है। उन्होंने भारतीय समुदाय के सदस्यों को भारत की परिवर्तनकारी यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

अभिनव पहल : पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर जनजाति के 20 बच्चे अब पढ़ेंगे संकल्प में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अब वो दिन दूर नहीं जब जशपुर जिले का कोई पहाड़ी कोरवा, बिरहोर जनजाति का विद्यार्थी भी बोर्ड परीक्षा की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करेगा और देश के किसी प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग महाविद्यालय या चिकित्सा महाविद्यालय में अध्ययन करेगा। भविष्य में जिले को सौगात के रूप में इन समुदाय के बच्चे भी इंजीनियर और डॉक्टर बन कर अपनी सेवाएं दे सकेंगे।

जशपुर जिले में संचालित संकल्प शिक्षण संस्थान ने शिक्षा के क्षेत्र में राज्य में अपनी पृथक पहचान बनाकर सफलता का परचम लहराया है। शैक्षणिक सत्र 2022-23 में संकल्प शिक्षण संस्थान में जशपुर जिले की विशेष पिछड़ी जनजातीय समूह ;च्तंजपबनसंतसल टनसदमतंइसम ज्तपइंस ळतवनचेद्ध पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर जनजाति के 20 बालक-बालिकाओं को कक्षा 9वीं में प्रवेश दिया जाएगा।

संकल्प शिक्षण संस्थान में इन बच्चों के लिए पृथक से एक कक्षा संचालित की जाएगी। इन बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान कर छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा की प्रावीण्य सूची में लाने की पहल की जाएगी। प्रतियोगी परीक्षाएं जैसे- जे.ई.ई., नीट की तैयारी भी करायी जाएगी। इस संस्था में आगामी चार वर्षों में इन चयनित 20 बच्चों को हरसंभव बेहतर शिक्षा देकर उन्हें अच्छी उच्च शिक्षा के लिए तैयार किया जाएगा। यहां इन सभी बच्चों को आवास, भोजन एवं अन्य सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। परियोजना प्रशासक जशपुर श्री बी.के. राजपूत ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर संकल्प शिक्षण संस्थान द्वारा एक नवाचार के रूप में पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर जनजातीय समुदाय के बच्चों को संकल्प में आवासीय सुविधा प्रदान कर कक्षा 9वीं में प्रवेश देने की योजना बनाई गई है। संकल्प शिक्षण संस्थान के प्राचार्य श्री विनोद कुमार गुप्ता ने भी संकल्प के समस्त स्टॉफ के साथ संकल्पित हो कर हरसंभव प्रयास कर इन बच्चों को माध्यमिक शिक्षा मण्डल की बोर्ड परीक्षा की प्रावीण्य सूची में स्थान दिलाने एवं जे.ई.ई., नीट की परीक्षा में सफलता दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ने की बात कही है। इस अभिनव पहल से निश्चित रूप से दूरगामी और सुखद परिणाम देखने को मिलेगा। इन बच्चों के माध्यम से इस समुदायों के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह अन्तर्गत सामूहिक विवाह का आयोजन

जनप्रतिनिधि, समाज के लोगो के संग कलेक्टर ने विवाह में किया पारंपरिक नृत्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। जिला मुख्यालय के सांस्कृतिक भवन परिसर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह का आयोजन हुआ जिसमें 102 जोड़े युवक-युवती ने अपने दाम्पत्य जीवन में कदम रखते हुऐ मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह में भाग लिया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं समाज के लोगो के संग कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा ने विवाह समारोह में पारंपरिक नृत्य करते हुए कार्यक्रम का आनंद उठाए जो काफी आकर्षण का केन्द्र बना, लोगो में उत्साह का संचार हुआ। महिला बाल विकास विभाग अर्न्तगत आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 102 जोड़े का विवाह सामाजिक रीति रिवाज से सम्पन्न हुआ जिसमें 24 जोड़ों ने हिन्दू रीति रिवाज से 69 जोड़े ने आदिवासी रीति-रिवाज से एवं 9 जोड़े का ईसाई धर्म के रीति के अर्न्तगत विवाह सम्पन्न हुआ। नवदम्पति को शासन के नियमानुसार उपहार भेंट प्रदान किया गया। जनप्रतिनिधियों सहित कलेक्टर श्री कटारा ने नवदम्पतियों को सुखद एवं सफल वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम कार्यक्रम केअध्यक्ष एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के सदस्य अजय सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष बेनहूर रावतिया, उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम सल्लूर एवं जनपद उपाध्यक्ष सोनू पोटाम सहित जनप्रतिनिधिगण अधिकारी-कर्मचारी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

80 बुजुर्गों का किया गया इलाज

आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में सियान जतन क्लिनिक की शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय, रायपुर में भी सियान जतन क्लिनिक का शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जी.एस. बघेल ने भगवान धन्वंतरि की पूजा कर आज विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सियान जतन क्लिनिक की शुरुआत की।

क्लिनिक में आज यहां 80 बुजुर्गों का उपचार किया गया। साथ ही 60 वर्ष से अधिक आयु के मरीजों का निःशुल्क पंजीयन, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, प्रकृति परीक्षण व चिकित्सा की गई। हर महीने के प्रथम गुरूवार को यहां सियान जतन क्लिनिक लगाया जाएगा।

आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय के सियान जतन क्लिनिक में 260 लाभार्थियों को ग्रीष्म ऋतु पेय मिश्रेय पानक, दशमूल काढ़ा, गुडुच्यादि काढ़ा, रसायन औषधि आदि प्रदान की गयी। आज 20 रोगियों का प्रकृति परीक्षण एवं आवश्यक रक्त शर्करा परीक्षण किया गया।

ओ.पी.डी. में आने वाले सभी रोगियों को स्वास्थ्य रक्षण व वर्धन के लिए ग्रीष्म ऋतुचर्या के आहार-विहार, पादाभ्यंग, शिरोऽभ्यंग, नस्य आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

प्रत्येक माह के पहले गुरूवार को आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में आयोजित होने वाले सियान जतन क्लिनिक में प्रोफेसर (डॉ.) अरूणा ओझा एवं डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेंगे। ओ.पी.डी. में आने वाले 60 वर्ष से अधिक आयु के मरीजों का निःशुल्क पंजीयन कर जांच एवं उपचार प्रदान किया जायेगा।

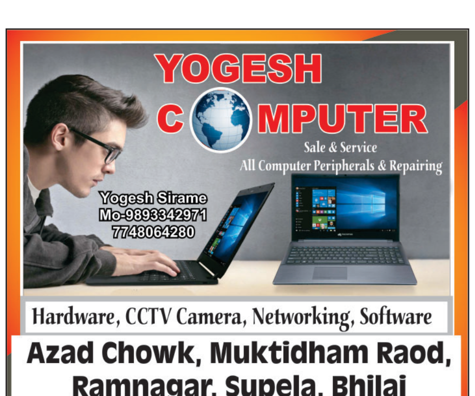

खास-खबर

प्रतिबंधित पॉलिथीन बनाने वालों शिंकजा, पकड़े जाने पर जुर्माने के साथ खानी पड़ेगी जेल की हवा

रायपुर। रायपुर नगर निगम का अमला प्रतिबंधित पालिथीन के खिलाफ लगातार छापामार कार्रवाई कर प्रतिबंधित पालिथीन, पानी पाउच, डिस्पोजल गिलास आदि जब्त कर रहा है।अब तक दो सौ से अधिक ठेले, खोमचे, छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई की जा चुकी है लेकिन अब बड़े कारोबारियों, निर्माण करने वालों पर शिंकजा कसने की तैयारी निगम प्रशासन ने की है। जल्द ही बड़े स्तर पर छापेमारी की कार्रवाई करने के संकेत निगम के अधिकारियों ने दिया है।

दरअसल आगामी एक जुलाई से प्रदेशभर में पालिथीन का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद हो जायेगा। राज्य सरकार ने 20 माइक्रान से कम मोटाई का पालिथिन के इस्तेमाल पर वर्ष 2014 से प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसे में नगर निगम का अमला दिखावे के तौर पर हर साल त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते छोटे-मोटे दुकानों, सब्जी ठेले, बाजार आदि दुकानों पर कार्रवाई करता आ रहा है। अब चूंकि एक जुलाई से पालिथीन पूरी तरह से प्रतिबंधित करने शासन ने सख्ती के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

लिहाजा फिर से निगम के अधिकारी-कर्मचारी रोजाना छोटे दुकानों, ठेले, खोमचे, होटल, सब्जी दुकानों आदि में दबिश दे रहे है, लेकिन अभी तक किसी बड़े कारोबारी या फिर पालिथीन निर्माण करने वाली फैक्टरी में छापेमारी की कार्रवाई नहीं करना कई सवालों को जन्म दे रहा है। अब तक दो सौ से अधिक छोटे दुकानदारों के यहां छापेमारी कर डिस्पोजल गिलास, पानी पाउच समेत पालिथीन आदि जब्त कर हजारों का जुर्माना नगर निगम ने वसूल कर कार्रवाई के नाम पर केवल अपनी पीठ ही थपथपाई है।

पॉलिथीन से सीवेज सिस्टम जाम

राजधानी रायपुर में हर साल बारिश के मौसम में नाले-नालियों के जाम होने और पानी निकलकर घरों-बस्तियों में घुसने का कारण सीवेज सिस्टम का जाम होना मुख्य वजह है। पिछले साल नाले-नालियां जाम हुई तब नगर निगम ने वाटर लागिंग के बाद तीन चरणों में 250 नाले-नालियों का कचरा साफ कराया तो कचरे में 90 फीसदी से ज्यादा पालिथिन निकला था।

बनारस की 17 साल की लड़की को रायपुर में बेचा

लड़की बोली-आंटी गंदा काम करवाती है

रायपुर (ए)। रायपुर की पुलिस के पास आधी रात को भागकर पहुंची एक लड़की ने जो खुलासे किए हैं वो बेहद चौंकाने वाले हैं। 17 साल की नाबालिग ने बताया कि उसे यूपी से यहां लाकर बेच दिया गया। जिस औरत ने उसे खरीदा वो अब उससे देह व्यापार करवाती है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामला रायपुर के राजेंद्र नगर थाना इलाके की हिमालियन हाइट्स कॉलोनी का है। पुलिस के पास पहुंची नाबालिग ने बताया है कि वो मूलत: बनारस की रहने वाली है। पिछले साल वो अक्टूबर के महीने में अपनी बहन की सहेली तान्या खान नाम की महिला के साथ रायपुर आई थी। यहां हिमालियन हाइट्स में रहने वाली स्वामिनी ठाकुर नाम की महिला के पास तान्या ने उसे 15 हजार रुपए में बेच दिया। ये बात भी सामने आई है कि घरेलू काम-काज करने के नाम पर लड़की के घर वालों ने ही उसे जाने दिया था।

सीएसपी राजेश चौधरी ने बताया कि लड़की से उसके घर वालों के बारे में भी जानकारी लेकर उनसे भी संपर्क कर ये पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आखिर ऐसी कौन सी वजह थी जो नाबालिग को तान्या को सौंप दिया गया। पुलिस ने इस केस में नाबालिग को साथ रखने वाली महिला स्वामिनी को भी पकड़ा है और पूछताछ की जा रही है।

फिर शुरू हो गया गंदा खेल

पुलिस को अब तक जो जानकारी लड़की ने दी उसके मुताबिक कुछ दिन स्वामिनी ने उससे घर का काम करवाया। इसके बाद रुपयों का लालच देकर तो कभी दबाव पूर्वक घर पर आने वाले पुरुषों से शारीरिक संबंध बनाने को कहने लगी। नाबालिग का कहना है कि उसके साथ मारपीट भी की जाती थी। उसे कमरे में बंद करके रखा जाता था, वहीं खाना दिया जाता था। जब वो देह व्यापार करने से इनकार करती तो उसे खाने-पीने के लिए तरसाया जाता था।

फिर भाग निकली लड़की

इन्हीं सब बातों से तंग आकर नाबालिग ने भागने का प्लान बनाया। उसने देखा कि उसके कमरे को बाहर से किसी ने लॉक नहीं किया था। वो रात के वक्त बाहर आई और कॉलोनी से बाहर आकर ऑटो लेकर भनपुरी इलाके में चली गई वहां पुलिस पेट्रोलिंग टीम पर नाबालिग पर नजर पड़ी तो सारे मामले का खुलासा हुआ और अब केस राजेंद्र नगर थाने पहुंचा है। महिला काउंसलर्स की मदद से बच्ची का बयान लिया गया है। नाबालिग को साथ रखने वाली स्वामिनी ठाकुर के पूछताछ के बाद इस केस में नए खुलासे हो सकते हैं।

सड़क चौड़ीकरण मामले में 27 को होगी सुनवाई

बिलासपुर (ए)। रायपुर के कटोरा तालाब में कब्जे के खिलाफ कार्रवाई पर हाई कोर्ट की रोक और अपना पक्ष रखने के लिए जारी नोटिस मामले में राज्य शासन और रायपुर नगर निगम ने हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच के समक्ष जवाब पेश कर दिया है। गुरुवार को मामले की सुनवाई हुई। डिवीजन बेंच ने 27 अप्रैल का अंतिम सुनवाई के लिए तिथि तय कर दी है।

रायपुर निवासी दयानंद शर्मा की याचिका पर बीते मंगलवार रात नौ बजे कोर्ट में वर्चुअल सुनवाई हुई। इस दिन याचिकाकर्ता के वकील के अलावा रायपुर नगर निगम और शासन के वकील वर्चुअल शामिल हुए और जवाब भी पेश किया। मामले की प्रारंभिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए निगम की तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए अगली सुनवाई के लिए गुरुवार की तिथि तय की थी। आज इस मामले की सुनवाई डिवीजन बेंच में हुई। सुनवाई के अंतिम समय में याचिका की लिस्टिंग होने के कारण विस्तार से कोर्ट में सुनवाई नहीं हो पाई। डिवीजन बेंच ने अंतिम सुनवाई के लिए 27 अप्रैल की तिथि तय कर दी है। कोर्ट के निर्देश पर राज्य शासन के अलावा नगर निगम के वकील ने जवाब पेश कर दिया है।

नोटिस के बाद भी नहीं छोड़ा कब्जा

दयानंद शर्मा व अन्य से कटोरा तालाब स्थित सरकारी जमीन पर कब्जा कर मकान बना लिए हैं। बीते 30 वर्षों से इनका कब्जा है। सड़क चौड़ीकरण के लिए निगम ने अतिक्रमणकारियों को वर्ष 2016 में बेदखली नोटिस जारी किया था। तब नगर निगम की नोटिस को चुनौती देते हुए दयानंद शर्मा व अन्य ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दी थी। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद निगम की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए स्थगन आदेश जारी कर दिया था। इस बीच कोर्ट ने नगर निगम को सीमांकन कराने की छूट दी थी।

ऑनलाइन सट्टे से जुड़े 83 खाते सीज कुछ खाते राजनांदगांव के भी मिले

भिलाई (ए)। मोहन नगर, छावनी और तालपुरी में ऑनलाइन सट्टा संचालित कराने वाले गिरोह से जब्त 83 अकाउंट की पुलिस डिटेल खंगाल रही है। पुलिस खाताधारकों को नोटिस जारी करके ट्रांजिक्शन को लेकर पूछताछ करेगी। इसके साथ बैंक खातों में जमा 20 लाख रुपए पुलिस ने होल्ड करवा दिया हैं। छावनी में पकड़ाए सौरभ शुक्ला को लेकर नई जानकारी सामने आई है। तीन महीने तक ट्रेनिंग करने के बाद वह बीमारी का इलाज कराने का बहाना बनाकर दुबई से भागकर भिलाई आ गया था। इसके बाद उसने अपना सेटअप तैयार किया। ऑनलाइन सट्टा संचालित करने लगा।

पुलिस ने बताया कि सौरभ ने कई और खुलासे किए हैं। सटोरियों से जो खाते जब्त किए गए हैं, सभी में अलग अलग ट्रांजिक्शन किया गया है। कुछ खाते सिर्फ तीन महीने तक एक्टिव रहे। जबकि कुछ में ट्रांजेक्शन करीब 1 साल तक किया गया है। स्टेटमेंट वेरीफिकेशन के बाद खातों में लेनदेन का पूरा रिकार्ड तैयार हो पाएगा। पुलिस ने बताया खुलासे के बाद से आईडी ऑपरेट करने वाले अलग-अलग ठिकानों में छिप गए हैं। मुख्य रूप से राज्यों की सीमाओं को ठिकाना बनाया है। उनकी जानकारी जुटाई जा रही है।

पूछताछ में खुलासा, यश करता ट्रांजिक्शन ऑपरेट: सौरभ शुक्ला से पूछताछ में पता चला है कि पूरा नेटवर्क वाट्सएप, इंस्टाग्राम, टेलीग्राफ और टेलीग्राम में ऑपरेट होता है। सभी पूरा कम्युनिकेशन इन्हीं एप के माध्यम से करते है। उसने बताया कि महादेव के लेनदेन का पूरा हिसाब किताब यश नाम का युवक करता है। उसके साथ रायपुर निवासी हितेश उर्फ गिल्लू भी शामिल है। सौरभ ने पुलिस को बताया है कि गैंग की बैंक के कुछ कर्मचारियों से सांठगांठ है। इस वजह से आसानी से बैंक अकाउंट खुल जाते हैं।

मोहन नगर के पुष्पक नगर से पकड़ाए आलोक सिंह और उसके दो साथियों से पुलिस ने 70 बैंक अकाउंट जब्त किए थे। इसी तरह तालपुरी से नवंबर महीने में पकड़ाए रिकी पारख से 13 खाते जब्त किए गए थे। रिकी पारख से आलोक और सौरभ के तार जुड़ने के बाद दोबारा से जांच शुरु की गई है। इससे पता चला कि 13 बैंक अकाउंट में 25 लाख रुपए से ज्यादा का ट्रांजेक्शन तीन महीने में किया गया है। इसी तरह आलोक से जब्त 70 बैंक अकाउंट में भी 50 लाख से ज्यादा का ट्रांजेक्शन हुआ है। सभी बैंक अकाउंट दुर्ग भिलाई और राजनांदगांव से जुड़े हैं।

ट्टसटोरियों से जब्त बैंक अकाउंट के ट्रांजेक्शन जुटाया जा रहा है। अब तक करीब 83 बैंक अकाउंट की डिटेल मिली है। खाताधारकों को नोटिस देकर पूछताछ की जाएगी।

अपहृत 4 साल के मासूम की हत्या, आरोपी पड़ोसी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के उरला से अपहृत 4 साल के मासूम की हत्या मामले के आरोपी पड़ोसी को पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर लिया है। खबरों के अनुसार आरोपी ने बेरला रोड के नवनारा खार में मासूम को पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। पुलिस ने मासूम हर्ष चेतन की जली हुई लाश बरामद की है। बतादें कि आरोपी ने 5 अप्रैल को बाइक पर घूमने के बहाने पड़ोसी पंचराम ने मासूम का अपहरण कर लिया था। उरला थाना पुलिस और एफएसएल समेत पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। ये पूरा मामला उरला थाना इलाके का है।

क्या है पूरा मामला

राजधानी रायपुर के उरला इलाके में चार साल के मासूम की हत्या का मामला सामने आया है। जांच के बाद पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के

मुताबिक उरला थाने में पांच अप्रैल की रात्रि लगभग 8 बजे पुष्पा चेतन और उसके पति जयेंद्र चेतन ने सूचना दी गयी कि उसका पड़ोसी पंचराम सुबह 10 बजे इसके घर आया और इसके दोनों बेटों दिव्यांश 6 वर्ष और हर्ष चेतन 4 वर्ष घूमने के नाम पर अपनी बाइक में लेकर गया। लगभग आधे घंटे बाद दिव्यांश को घर लाकर छोड़ दिया और हर्ष चेतन 4 वर्ष को लेकर चला गया। काफी देर तक नहीं आने पर स्वजनों ने खोजबीन शुरू किया और रात्रि में पुलिस को सूचना दी। जिस पर थाना उरला में अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल अपहृत बच्चे और संदेही पंचराम की खोजबीन शुरू की गई। आस पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और सघन पूछताछ शुरू की।

जानकारी मिली कि पंचराम ने उसी दिन दोपहर में अपनी बाइक दुर्ग में बेच दी है। तकनीकी जानकारी के आधार पर पंचराम के महाराष्ट्र में होने की जानकारी मिली। और तत्काल एन्टी क्राइम व सायबर यूनिट, थाना उरला की टीम रवाना हुई। महाराष्ट्र में आरोपित पंचराम बार-बार अपना लोकेशन बदल कर लुक छिप रहा था। इसके बाद एक और बैकअप टीम रवाना किया गया। टीम ने बीती रात को नागपुर के पास पंचराम को ट्रेस कर हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान शुरू में वह पुलिस को गुमराह करता रहा।

बाद में पंचराम ने अपराध कबूल कर लिया। उसने बताया कि 5 अप्रैल को सुबह लगभग 10 -10:30 बजे मासूम हर्ष चेतन को अपने साथ ले जाने के लगभग आधे घंटे बाद ही ग्राम हसदा जिला बेमेतरा के मरघट के पास ले जा कर उसके ऊपर मिट्टी तेल डालकर हत्या कर फरार हो गया था। आरोपित पंचराम के निशानदेही पर बालक हर्ष चेतन का शव बरामद कर लिया गया है। फोरेंसिक व पुलिस की टीम शव व घटना स्थल का निरीक्षण कर रही है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह पीड़ित के बड़े बेटे की भी हत्या करना चाहता था। हत्या के कारण के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग दुर्ग

// निविदा आमंत्रण सूचना //

ज्ञाप क्रमांक - 2949/ नि.प्र.क्र.-01 / लो.नि.वि. / 2022-23   दुर्ग, दिनांक 04.04.2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य का विद्युतीकरण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 13.04.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 26.04.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 27.04.2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि में अवकाश हो या अधोहस्ताक्षरकर्ता शासकीय दौरे पर हो तो निविदा आगामी कार्य दिवस में खोली जावेगी।

स. क्र./ निविदा क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
(1) T0001	Rewinding & Maintenance of Different types of Fan & Maintenance of Cooler in District Durg	4.00 Lacs
(2) T0002	Rewinding & Maintenance of Different types of Fan & Maintenance of Cooler in District Bemetara	2.00 Lacs
(3) T0003	Rewinding & Maintenance of Different types of Fan & Maintenance of Cooler in District Kawardha	2.00 Lacs
(4) T0004	Rewinding & Maintenance of Different types of Fan & Maintenance of Cooler in District Balod	2.00 Lacs
(5) T0005	SITC of Different types of Coolers In District Durg	6.00 Lacs
(6) T0006	SITC of Different types of Coolers In District Bemetara	5.00 Lacs
(7) T0007	SITC of Different types of Coolers In District Kawardha	4.00 Lacs
(8) T0008	SITC of Different types of Coolers In District Balod	4.00 Lacs
(9) T0009	SITC of T.Vs. under District Durg/Balod/ Bemetara/Kawardha (Make:-LG/Sony/Samsung)	16.00 Lacs
(10) T0010	SITC of Refrigerator under District Durg/Balod/ Bemetara/Kawardha (Make:-LG/Sony/Samsung)	8.00 Lacs
(11) T0011	E/F to Probable O.W./Deposit/M.O.W./S/R. work Under District Durg	19.90 Lacs
(12) T0012	E/F to Probable O.W./Deposit/M.O.W./S/R. work Under Civil Division Durg	19.90 Lacs
(13) T0013	E/F to Probable O.W./Deposit/M.O.W./S/R. work Under Civil Sub Division Patan District Durg	19.90 Lacs
(14) T0014	E/F to Probable O.W./Deposit/M.O.W./S/R. work Under Civil Sub Division No.-1 & 3, District Durg	19.90 Lacs
(15) T0015	E/F to Probable O.W./Deposit/M.O.W./S/R. work Under District Balod	19.90 Lacs
(16) T0016	E/F to Probable O.W./Deposit/M.O.W./S/R. work Under Civil Division Balod	19.90 Lacs
(17) T0017	E/F to Probable O.W./Deposit/M.O.W./S/R. work Under District Bemetara	19.90 Lacs
(18) T0018	E/F to Probable O.W./Deposit/M.O.W./S/R. work Under Civil Division Bemetara	19.90 Lacs
(19) T0019	E/F to Probable O.W./Deposit/M.O.W./S/R. work Under District Kawardha	19.90 Lacs
(20) T0020	E/F to Probable O.W./Deposit/M.O.W./S/R. work Under Civil Division Kawardha	19.90 Lacs
(21) T0021	SITC of Sound System under District Durg/ Balod/ Bemetara/ Kawardha	15.00 Lacs

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। निविदा संबंधी अन्य शर्तें का अवलकोन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।
टीप: आबंटन प्राप्त होने पर ही देयक का भुगतान किया जायेगा।

जी-90109/4

कार्यपालन अभियंता,
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.)
संभाग दुर्ग

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875
99938-08453
75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेडी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाइल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मिस एंड मिसेस लेडिस वेयर
• गाऊन • ब्रा. पेन्टी • नाईटी • ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

समस्या को दूर करने एक हुआ निगम, जल आपूर्ति के लिए बनेगा प्लान

रिसाली। गर्मी में होने वाले भीषण पेयजल संकट को दूर करने नगर पालिक निगम एक नजर आया। सभी पार्षद न केवल महापौर शशि सिन्हा व सभापति केशव कुमार बंछोर के समक्ष समस्याओं पर खुली चर्चा की, बल्कि इसके निराकरण के लिए सुझाव भी रखे। महापौर ने प्राथमिकता के आधार पर पेयजल समस्या का निराकरण करने सभी पार्षदों को धरातल से जुड़कर सर्वे करने निर्देश दिए। महापौर शशि सिन्हा ने गुरूवार को सभी दल के पार्षदों से चर्चा की। उन्होंने संपूर्ण रिसाली क्षेत्र की समस्याओं पर प्रत्येक पार्षदों से चर्चा की। समस्याओं को सुनने के बाद त्वरित निराकरण के लिए महापौर ने पार्षदों से सुझाव भी मांगे। महापौर का कहना था कि वर्तमान में गर्मी की वजह से भूमिगत जल स्त्रोत नीचे चला गया है। पानी की समस्या हर वार्ड में है। उन्होंने सभी पार्षदों से कहा कि वे अपने-अपने वार्ड मे जमीनी स्तर पर सर्वे करे और अत्यधीक पानी की कमी वाले वार्ड को चिन्हित करे। बैठक में चंद्रभान सिंह ठाकुर, गोविन्द चतुर्वेदी, विलास राव बोरकर, अनूप डे, सनीर साहू, परमेश्वर कुमार, सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू के अलावा कांग्रेस, भाजपा व निर्दलीय पार्षद उपस्थित थे।

दादा दादी, नाना नानी पार्क का हो रहा कायाकल्प, आयुक्त ने किया निरीक्षणः

दुर्ग। रविशंकर स्टेडियम के पास स्थित दादा दादी,नाना नानी पार्क कायाकल्प का कार्य नगर निगम प्रशासन द्वारा तेजी से किया जा रहा कार्य की प्रगति का जायजा लेने निगमायुक्त हरेश मंडावी ने अधिकारियों के साथ मौके पर पहुँचे।इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य एजेंसी को एक सप्ताह के भीतर सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।समयावधि में कार्य पूर्ण नहीं होने पर कड़ी कार्यवाही किए जाने की चेतावनी भी उन्होंने दी। निगम प्रशासन द्वारा दादा दादी नाना नानी पार्क की व्यवस्था और बेहतर करने के प्रयास किए जा रहे हैं इसके लिए पार्क में पाथवे निर्माण, चैन लिंकिंग फेंसिंग, हॉर्टिकल्चर, फौव्हारो का संधारण एवं रंग रोगन का कार्य प्रगति पर है।यहां की प्रकाश व्यवस्था को भी बेहतर किया जा रहा है। इन सभी कार्यों की प्रगति का जायजा आज निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने लिया।

105.45 प्रतिशत हुई वित्तीय वर्ष 2021-22 की टैक्स की वसूली

महापौर नीरज पाल के निर्देश व आयुक्त प्रकाश सर्वे के मॉनिटरिंग से हुई लक्ष्य की प्राप्ति

अब वंचित लोग 15 अप्रैल तक जमा कर सकते हैं कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में कर की अत्याधिक वसूली की। महापौर नीरज पाल ने इस वित्तीय वर्ष में सत प्रतिशत टैक्स वसूली के लिए लक्ष्य रखा था। आयुक्त प्रकाश सर्वे के मार्गदर्शन व दिशा-निर्देश में 31 मार्च तक लक्ष्य को प्राप्त करने का भरसक प्रयास किया गया। वित्तीय वर्ष के अंतिम दिवस 31 मार्च को निगम की राजस्व वसूली डेढ़ करोड़ से भी अधिक हुई।

आयुक्त सर्वे ने राजस्व वसूली के लक्ष्य को पाने के लिए राजस्व अधिकारियों सहित वसूली एजेंसी की कई दौर में बैठकें लीं। उनके मार्गदर्शन में अधिकारी-कर्मचारी लगे रहें। अवकाश के दिनों में भी राजस्व वसूली के निर्देश दिए गए थे। निगम के मुख्य कार्यालयों सहित जोन मुख्यालयों के काउंटर खिड़कियां कर जमा करने के लिए खुलीं रखी गईं। यहीं नहीं, बल्कि कार्यालयों में काउंटर खिड़कियां भी बढ़ाई गई। करदाता अतिरिक्त कर देने से बचने के लिए 31 मार्च के पूर्व स्वमेव आकर संपत्ति कर जमा किए। कोरोना काल में काउंटर खिड़कियों में भीड़ से बचने व नौकरी पेशा लोगों के लिए ऑनलाइन टैक्स जमा करने का अवसर दिया गया।

क्षेत्र की जनता से बार-बार अपील की गई कि अधिभार से बचने निर्धारित समय से पूर्व कर जमा करें। वहीं कर्मियों को वार्ड के लोगों के घरों तक जाकर भी वसूली करने कहा गया था। अधिक कर वसूली के लिए आयुक्त सर्वे ने अधिकारियों की लगातार समीक्षा बैठक लिए। इसमें उन्होंने हर पहलुओं से बारीकी से समझने का प्रयास किया। साथ ही अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित भी करते रहें व सतत इसकी मॉनिटरिंग भी करते रहें। आयुक्त के निर्देश पर वसूली लक्ष्य के आंकड़े के नजदीक पहुंचे। निगम के राजस्व सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों व वसूली एजेंसियों का सहयोग के कारण अंतिम दिवस तक करोड़ों की वसूली हो चुकी थी। उल्लेखनीय है कि जनता को सुविधा देने के लिए आयुक्त ने वित्तीय वर्ष 2021-22 की कर जमा करने की तिथि 15 अप्रैल तक बढ़ा दी है। कर जमा करने से वंचित लोग बढ़ी तिथि का फायदा उठाते हुए संपत्ति कर सहित अन्य कर जमा करने निगम के मुख्य कार्यालय व जोन कार्यालयों में पहुंच रहे हैं।

वोरा की पहल पर डीएमएफ से 48 लाख रुपए मंजूर

सभी काम समय पर पूरा करें : गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें : वोरा

पेयजल सप्लाई वाल्व के लिए 28 लाख रु मंजूर : दीपक नगर स्वामी आत्मानंद स्कूल भवन के लिए 20 लाख की अतिरिक्त मंजूरी

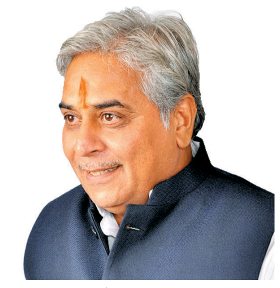

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा की अनुशंसा पर दुर्ग शहर में डीएमएफ फंड से विकास कार्यों के लिए लाख रुपए मंजूर किये गए हैं। वोरा ने प्रभारी मंत्री मोहम्मद अकबर से दुर्ग शहर में पेयजल सप्लाई व्यवस्था के तहत वाल्व के लिए 28 लाख रुपए और स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, दीपक नगर में भवन निर्माण आदि के बचत कार्यों के लिए 20 लाख रुपए की स्वीकृति देने की मांग की थी। खनिज न्यास मद की बैठक में दोनों कार्यों के लिए राशि मंजूर कर ली गई है। वोरा ने बताया कि इससे पहले स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल दीपक नगर का भवन बनाने एक करोड़ 55 लाख रुपए मंजूर करने के बाद तेजी से निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा जेआरडी शासकीय स्कूल (गवर्नमेंट स्कूल) भवन का रेनोवेशन करने एक करोड़ 50 लाख रुपए, आदर्श कन्या स्कूल भवन का रेनोवेशन व अन्य सुविधाओं के लिए 36 लाख रुपए स्वीकृत किये गए हैं। वोरा ने बताया कि शिवनाथ मुक्तिधाम का कायाकल्प करने 15 लाख रुपए की मंजूरी भी डीएमएफसे दिलाई गई है। वोरा ने संबंधित कार्यों की निर्माण एजेंसियों से कहा है कि सभी निर्माण कार्य समय पर पूरा किया जाए।

तालाबों को सहेजने शुरू हुआ काम, शीतला मंदिर तालाब का आउटलेट बनाने का काम शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

प्रदेश महामंत्री पहुंचे शिवपारा

रिसाली। स्टेशन मरोदा क्षेत्र के शिवपारा स्थित शीतला तालाब के पानी को स्वच्छ रखने की तैयार योजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। तालाब में गंदा पानी के निकासी के लिए 4.99 लाख रूपए खर्च किया जा रहा है। गुरूवार को आरंभ हुए इस कार्य का निरीक्षण करने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जितेन्द्र साहू, महापौर शशि सिन्हा व सभापति केशव बंछोर शिवपारा पहुंचे।

दरअसल शिवपारा के शीतला तालाब पर वार्ड 17 के आधी आबाधी निर्भर है। निस्तारी का एक मात्र साधन है। बारिश के दिनों में जल भराव के बाद पूरे वर्ष भर पानी का उपयोग किया जाता है। पानी निकासी का संसाधन नहीं होने से पानी गंदा व पानी का रंग हरा हो जाता था। इस वजह से पानी उपयोग के लायक नहीं रहता। नागरिक लंबे समय से तालाब का आउटलेट बनाने की मांग कर रहे थे। कार्य आरंभ करते समय छाया पार्षद प्रियंका गौतम, एमआईसी सद्स्य विलास राव बोरकर, गोविन्द चतुर्वेदी, सोनिया देवांगन, अनूप डे, परमेश्वर, सनीर साहू, चन्द्रभान ठाकुर, पार्षद चंद्रप्रकाश सिंह, विनय नेताम जमुना ठाकुर, गजेन्द्री कोठारी आदि उपस्थित थे।

निगम क्षेत्र के चौक-चौराहों में प्याउ घर खोलने जनसेवी संस्थाओं से की गई अपील

अपने मकानों व आसपास के पेड़ों में सकोरे बांधने से पशु-पक्षी की भी बुझेगी प्यास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। गर्मी बढ़ने के बाद अब लोगों के कंठ सूखने लगे हैं। महापौर नीरज पाल ने सूर्य की तेज तपिश से राहत दिलाने के लिए भिलाई नगर निगम के सभी जोन क्षेत्रों में प्याउ घर खोलने के निर्देश दिए हैं।

निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने भी इस भीषण गर्मी में आम राहगीरों के सूखे कंठ को तर करने सभी जोन आयुक्तों को सार्वजनिक स्थानों व भीड़-भाड़ वाले इलाकों में प्याउ घर खुलवाने सामाजिक संस्थाओं से अपील करने कहा है। इसे जनभागीदारी से खुलवाने के लिए भी प्रेरित करने कहा है। आयुक्त सर्वे ने भीषण गर्मी को देखते हुए सार्वजनिक संगठनों, संस्थाओं, समूहों व समाज सेवकों से अपील की है कि अपने संसाधनों से सार्वजनिक स्थानों, चौक-चौराहों व व्यवस्ततम इलाकों में प्याउ घर खोले। इस पुनीत जनसेवी कार्य में सहभागी बनकर आम राहगीरों व प्यासों की प्यास बुझाने मददगार बनें। आरंभिक तौर पर भिलाई निगम ने दो स्थानों पर प्याउ घर खोल रखे हैं। इनमें पहला निगम मुख्य कार्यालय के समीप व दूसरा नेशनल हाईव रोड में गौठान के पास खोला गया है। इसी तरह जोन 1 से 5 के कई व्यवस्ततम इलाकों में प्याउ घर खोले जाने के निर्देश आयुक्त ने दिए हैं।

महापौर नीरज पाल ने भी आम जनता से अपील की है कि प्याउ घर के साथ पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए अपने घरों के सामने व आसपास पेड़ों में सकोरों और पशुओं के लिए पात्रों में पानी भरकर रखें इस पहल से पशु-पक्षियों को गर्मी में राहत मिल सकेगी।

हरेश कुमार दत्ताणी की स्मृति में 65 यूनिट रक्तदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हरेश कुमार दत्ताणी जी की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में 65 यूनिट रक्तदान हुआ,जलाराम मंदिर वैशाली नगर में आयोजित रक्तदान शिविर में 19 वर्ष से 64 वर्ष तक के लोगों ने रक्तदान किया सुबह से ही लोगों में रक्तदान हेतु उत्साह देखा जा रहा था, समाज के सभी वर्ग के लोग रक्तदान करना चाह रहे थे।

राज आढ़तिया ने जानकारी दी रक्तदान शिविर से प्राप्त रक्त थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए उपयोग किया जाएगा, आज कुल 65 यूनिट रक्तदान हुआ जिसमें 15 महिलाओं ने रक्तदान किया ,22 लोगों का पहला रक्तदान था,प्रवचन करने वाले दो महाराज प्रकाश भाई जोशी और अंकुर महाराज ने भी भक्तों के साथ रक्तदान किया,जलाराम कैटरिंग सर्विस वैशाली नगर के कांजी भाई और संजू भाई ने रक्तदान किया, हरेश भाई दत्ताणि की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी नम्रता दत्ताणी ने भी रक्तदान कर हरेश भाई को श्रद्धांजलि दी।

नम्रता दत्ताणी, निधि मेहता, नयना आढ़तिया,कुणाल आढ़तिया,आद्या मेहता, सिमरन कौर,पारुल पटेल ,रितेश जैन,मोहित अग्रवाल,सोनू मानेक , भावना ठक्कर,प्रकाश जोशी,अंकुर दवे, पंकज राजानी, सुनील राजानी, संजय नथवाणी, कांजी भाई नथवाणी,भूपेंद्र सिंह, भारती राजू सहित अन्य लोगों ने रक्तदान किया। अरविंद भाई 64 सबसे अधिक उम्र के व् आध्या मेहता 19 ,सबसे कम उम्र की रक्तदाता रहे। नवदृष्टि फाउंडेशन के सक्रिय सदस्य मोहित अग्रवाल ने अपना 101 वा रक्तदान किया नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से रितेश जैन, राज आढ़तिया के सुपुत्र कुणाल आढ़तिया,कांजी भाई ने रक्तदान कर शिविर में सहयोग किया।

नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बल्लेवार ,कुलवंत भाटिया,राज आढ़तिया,प्रवीण तिवारी,मुकेश आढ़तिया, हरमन दुलई,,किरण भंडारी, रितेश जैन,जितेंद्र हासवानी,सत्येंद्र राजपूत,सुरेश जैन,पियूष मालवीय,विकास जायसवाल मुकेश राठी,दीपक बंसल,प्रभु दयाल उजाला, प्रमोद बाघ ,सूरज साहू संतोष राजपुरोहित,चेतन जैन ,चन्दन मिश्रा,यतीन्द्र चावड़ा, नत्थू अग्रवाल, खुर्शीद अहमद, आकाश मसीह, वीरेंद्र पाली, प्रफुल्ल जोशी,प्रसाद राव,संतोष रत्नानी दीपक बंसल ने सभी रक्तदानियों को साधुवाद दिया।

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सुनील देवधर होंगे कार्यक्रम के मुख्य वक्ता

श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा 37 वें वर्ष में श्रीरामनवमी का होगा भव्य आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा 10 अप्रैल, 2022 को रामलीला मैदान, पावर हाउस में श्रीरामनवमी का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए समिति की ओर से तैयारियों जोरों पर हैं। समिति द्वारा श्रीरामनवमी के आयोजन का यह 37वां वर्ष है। इसके पूर्व 2 वर्षों तक वैश्विक महामारी कोरोना के चलते आयोजन नहीं हो सका था।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा आयोजित श्रीरामनवमी के इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री सुनील देवधर बतौर मुख्य वक्ता शामिल होंगे। वहीं समिति के संरक्षक, प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय एवं पाटेश्वर धाम बालोद के संत श्री श्री 1008 महात्यागी श्री राम बालकदास महाराज कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल होगे।

पत्रकारवार्ता के माध्यम से जानकारी देते हुए समिति के युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने बताया कि अयोध्या श्रीराम मंदिर आंदोलन से प्रेरित होकर वर्ष 1986 में शुरू हुई समिति की यह यात्रा आज अपने 37वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। वर्ष 1986 में केवल एक मंदिर से शुरू हुई यात्रा आज 1100 से अधिक मंदिरों और पूजा- स्थलों से निकाली जाती है। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। समिति का नाम वर्ष 2018 में हुए आयोजन के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड्स में भी दर्ज किया गया है। श्री पाण्डेय ने बताया कि विगत 2 वर्षों से वैश्विक महामारी कोरोना की वजह से आयोजन नहीं हो पाया था लेकिन इस वर्ष फिर एक बार समिति द्वारा हमारे अराध्य प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयोजन के लिए इस वर्ष भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, व आंध्र प्रदेश के सहप्रभारी श्री सुनील देवधर बतौर मुख्य वक्ता कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं समिति के संरक्षक, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय एवं पाटेश्वर धाम बालोद के संत श्री श्री 1008 महात्यागी श्री राम बालकदास महाराज कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल होगे।

समिति के प्रांतीय अध्यक्ष रमेश माने ने आयोजन संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि 10 अप्रैल को होने वाले मध्य भारत के इस सबसे बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण पर हैं। आयोजन संबंधी सारी तैयारियों के लिए विभिन्न टीमों का गठन किया गया था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950